



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 91]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 7, 2010/चैत्र 17, 1932

No. 91]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 7, 2010/CHAITRA 17, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2010

विषय : चीन जन.गण. एवं यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों” के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम।

सं. 14/3/2009-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम (जिसे आगे पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए; चीन जन.गण. एवं यूरोपीय संघ (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों” (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तुएं कहा गया है) के आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी;

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित पीसीएल3, पीसीएल5, टीएमपी तथा टीपीपीआई और चीन जन.गण. तथा यूरोपीय संघ के मूल के या वहां से निर्यातित पीओसीएल3 नामक “कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों” के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से लघु एवं मध्यम रसायन विनिर्माता एसोसिएशन (एस्मेकैम), मुंबई से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ था।

3. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 13 फरवरी, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।

4. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी सी एल (आईटीसी एचएस उपशीर्ष 28121022 के अंतर्गत आने वाले) के संबंध में दिनांक 18 अगस्त, 2009 की प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/3/2009-डीजीएडी द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और भारत सरकार द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर, 2009 की अधिसूचना सं. 119/2009-सी.शु. द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

ख. प्रक्रिया

5. इस कार्यवाही में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:-

- i. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय को सूचित किया;
- ii. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को 13 फरवरी, 2009 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- iii. कुछेक हितबद्ध पार्टियों से प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के लिए समय विस्तार का अनुरोध किया गया था । प्राधिकारी ने समय की कमी को ध्यान में रखते हुए समय विस्तार प्रदान किया ।
- iv. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कार्यालय को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई ।
- v. नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास/यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल कार्यालय को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश/क्षेत्र के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों सहित उनके पास भेजी गई थी ।
- vi. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं ।

चीन जन.गण. में उत्पादक/निर्यातक

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	जियांगशू चांगयू कैमिकल कं. लि.
2.	जियांगशू चांगयू कैमिकल कं. लि.
3.	चांगझोऊ कूइकियाओ वेइजिंग कैमिकल कं. लि.
4.	चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन
5.	जियांगशू जिनमेई इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.
6.	झूझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.
7.	शंघाई हुआई ग्रुप हुआयूआन कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.
8.	शानडोंग डार्चेंग कैमिकल ग्रुप

यूरोपीय संघ में उत्पादक/निर्यातक

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	थर्मफोस इंटरनेशनल बी.वी.
2.	थर्मफोस द्यूत्सलैंड जीएमबीएच
3.	चाइमाइ प्लस लेबोरेट्रीज
4.	एग्रो-केमी केएफटी
5.	पीसीसी रोकित्ता एस.ए.
6.	चिमकॉम्पलेक्स एस.ए. ब्रोजेत्सी
7.	पेनरेक क्यूईमिका एस.ए.
8.	पेंटागन कैमिकल स्पेशियलिटीज लि.

मै. थर्मफोस इंटरनेशनल बी वी ने तत्पश्चात प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था ।

vii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

क्र. सं.	कंपनी का नाम	देश	स्थिति	उत्पाद
1.	मै. झूझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि. - "जियानपिंग"	चीन जन.गण.	उत्पादक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3
2.	मै. सेनकेईतांग कैमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि. एचबी- "सेनकेईतांग"	चीन जन.गण.	उत्पादक	टीएमपी

3.	मै. लुओही हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री "हुईपू"	चीन जन.गण.	उत्पादक	टीएमपी
4.	मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, "हाओहुआ"	चीन जन.गण.	निर्यातक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3, टीएमपी
5.	मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन "सिनोकैम"	चीन जन.गण.	निर्यातक	पीसीएल3, पीसीएल 5, पीओसीएल3, टीएमपी

- viii. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	उत्पाद
1.	डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लि., नई दिल्ली	पीसीएल3
2.	रेनकल कैमिकल्स (आई) लि., वाशी	
3.	सीक्वेंट साइंटिफिक लिमिटेड, न्यू मंगलोर	
4.	रूपा इंडस्ट्रीज लिमिटेड., हैदराबाद	
5.	पेनम लेबोरेट्रीज लिमिटेड, नई दिल्ली	पीसीएल 5
6.	डॉ. रेड्डी लेबोरेट्रीज, हैदराबाद	
7.	यूनीमार्क रेमेडीज लि., मुंबई	पीसीएल 5, टीएमपी, टीपीपीआई
8.	हेटेरो ड्रग्स लि., हैदराबाद	पीसीएल5
9.	वर्धमान कैम. टेक. लि.	पीसीएल5
10.	केएलजे ऑर्गेनिक्स लि., नई दिल्ली	पीओसीएल3
11.	मेगाफाइन फार्मा (प्रा.) लि., मुंबई	
12.	बिलाग इंडस्ट्रीज लि., वापी	
13.	हिन्दुस्तान इनसेक्टीसाइड्स, नई दिल्ली	टीएमपी
14.	इनसेक्टीसाइड्स इंडिया लि., नई दिल्ली	
15.	थानुका लेबोरेट्रीज लि., गुडगांव	टीपीपीआई

- ix. उपर्युक्त के उत्तर में निम्नलिखित ने उत्तर दिया है:

मै. रूपा इंडस्ट्रीज लि., हैदराबाद ने उनके द्वारा संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराते हुए आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है ।

- x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप उपलब्ध किया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा;

- xi. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी सी एल के संबंध में दिनांक 18 अगस्त, 2009 की प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/3/2009-डीजीएडी द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और भारत सरकार द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर, 2009 की अधिसूचना सं. 119/2009-सी.शु. द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।
- xii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 11 दिसंबर, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । सार्वजनिक सुनवाई में जिन पक्षकारों ने अपने विचार व्यक्त किए, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया । हितबद्ध पक्षकारों के लिखित निवेदन/उत्तरों के रूप में प्राप्त तर्कों पर, जहां प्रासंगिक समझा गया है, अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।
- xiii. घरेलू उद्योग तथा निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना एवं आंकड़ों का जिस सीमा तक उचित समझा गया, सत्यापन किया गया ।
- xiv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्रस्तुत मामले में प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया । प्रकटीकरण विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर, जिस सीमा तक प्रासंगिक समझा गया, इस अंतिम जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है । ,
- xv. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ।
- xvi. यह जांच 1 अक्टूबर, 2007 से 31 दिसंबर, 2008 तक की अवधि के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल थीं ।
- xvii. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान घरेलू वस्तु

6. विचाराधीन उत्पाद "कुछेक फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिक" हैं, अर्थात:-

- (1) फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड (पीसीएल₃)
- (2) फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल₅)
- (3) फॉस्फोरस ऑक्सीक्लोराइड (पीओसीएल₃)
- (4) ट्राइफिनाइल फॉस्फाइट (टीपीपीआई)
- (5) ट्राइमिथाइल फॉस्फाइट (टीएमपी)

6.1 तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 11 जनवरी, 2010 के अपने पत्र द्वारा फॉस्फोरस ट्राईक्लोराइड (पीसीएल 3) तथा ट्राइफिनाइल फॉस्फाइट (टी पी पी आई) के संबंध में अपना आवेदन वापस ले लिया था। अतः प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 14 के अनुसरण में इन दो उत्पादों के संबंध में जांच को एतद्वारा समाप्त करते हैं। इस प्रकार आगे की जांच "कतिपय फॉस्फोरस आधारित रासायनिक यौगिकों" तक सीमित रहेगी, अर्थात्

- (1) फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल 5)
- (2) फॉस्फोरस आक्सीक्लोराइड (पीओसीएल 3) तथा
- (3) ट्राइमिथाइल फॉस्फाइट (टीएमपी)

6.2 आवेदक ने यह उल्लेख किया है कि इन उत्पादों के नाम समानार्थी हैं जिनका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

उत्पाद का नाम	समानार्थी नाम
फॉस्फोरस आक्सीक्लोराइड (पीओसीएल3)	फॉस्फोरिल क्लोराइड
फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल5)	फॉस्फोरस (V) क्लोराइड
ट्राइमिथाइल फॉस्फाइट (टीएमपी)	फॉस्फोरस एसिड ट्राइमिथाइल इस्टर, फॉस्फोनिक एसिड ट्राइमिथाइल इस्टर, मिथाइल फॉस्फाइट

6.3 पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा पीसीएल3 अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकरणीय अकार्बनिक रसायन हैं जबकि टीएमपी एवं टीपीपीआई अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकरणीय कार्बनिक रसायन हैं। प्रत्येक संबद्ध वस्तु का सीमाशुल्क वर्गीकरण निम्नानुसार है:

संबद्ध उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
पीसीएल5	28121022
पीओसीएल ₃	28121030
टीएमपी	29209041

6.4 तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद का व्यापक रूप से उपयोग विभिन्न कीटनाशकों, जीवाणुनाशकों और भेषजों के उत्पादन में किया जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6.5 समान वस्तुओं के बारे में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" से एक ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

6.6 जहां तक भारतीय बाजार में निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पादों और घरेलू उद्योगों द्वारा बेचे गए उत्पादों के बीच संभावित अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों ने इस संबंध में कोई खंडन नहीं किया है कि दोनों उत्पादों में कोई अंतर है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश (देशों) से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में आयातित संबद्ध वस्तु से तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। किसी भी विरोधी हितबद्ध पार्टी ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

6.7 इस प्रकार, प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश (देशों) की विचाराधीन संबद्ध वस्तु की समान वस्तुएं हैं।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :-

- फार्मा केमिकल्स द्वारा समर्थन वापस लेना: घरेलू उद्योग ने यह तर्क प्रस्तुत किया है कि फार्मा केमिकल्स इंडस्ट्री द्वारा समर्थन वापस ले लिए जाने से वह आश्चर्यचकित है और यह कि फार्मा केमिकल्स द्वारा दिए गए कारण पूर्णतः औचित्यहीन हैं। पहले से शुरू हुआ पाटन अभी समाप्त नहीं हुआ है।
- एकाधिकार की स्थिति: घरेलू उद्योग ने यह तर्क प्रस्तुत किया है कि पुष्टिकृत कानूनी स्थिति के आलोक में तर्कों को खारिज कर दिया जाना चाहिए। जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लगातार यह अभिमत व्यक्त किया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में इस उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय

लगाने से पाटन पद्धतियों द्वारा होने वाला अनुचित लाभ समाप्त हो जाएगा, घरेलू उद्योग में गिरावट रूकेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में यह सहायक होगा। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः उपभोक्ताओं को इन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. इस जांच की शुरुआत के समय प्राधिकारी द्वारा जांच पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नानुसार की गई थी :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

7.1 तथापि, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में हाल ही में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" शब्द में केवल शेष उत्पादकों को शामिल माना जाएगा।

7.1 यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से लघु एवं मध्यम रसायन विनिर्माता एसोसिएशन (एस्मेकेम), मुंबई द्वारा दायर किया गया है। मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. ने क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है जबकि मै. पंजाब कैमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन लि., मै. संध्या इंडस्ट्रियल कैमिकल्स, मै. संध्या डाईज एंड कैमिकल, मै. एस.एम. कैमिकल्स, मै. एक्सएल इंड लि., मै. केमीनोवा इंडिया लि. तथा मै. फार्माकैमिकल्स इंडस्ट्रीज ने याचिका का समर्थन किया है।

7.3 तत्पश्चात मै. फार्मा कैमिकल्स इंडस्ट्रीज, मुंबई ने दिनांक 3 अगस्त, 2009 के अपने पत्र द्वारा आवेदन से समर्थन वापस ले लिया है और अन्य बातों के साथ-साथ यह कहा है कि

फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड के लिए पाटनरोधी टैरिफ हेतु उन्होंने प्रस्ताव इसलिए किया था कि चीन सरकार द्वारा 120% का निर्यात शुल्क लगा दिए जाने के कारण चीन ओलंपिक्स से पूर्व चीन जन.गण. के विनिर्माताओं द्वारा यलो फॉस्फोरस की कीमतों में 300% की वृद्धि कर दी गई थी, परंतु चीन जन.गण. द्वारा जुलाई, 2009 से निर्यात शुल्क वापस 20% कर दिया गया है और यलो फॉस्फोरस की कीमतें सामान्य अर्थात् 2300 अम.डॉ. प्रति मी.ट. हो गई हैं। इस प्रकार, आयातित सामग्री से कीमत लाभ अब नहीं होता क्योंकि कंपनी की फॉस्फोरस कीमतें अब बहुत कम हो गई हैं और वह आयातित फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड की कीमतों से प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

7.4 आगे यह भी कहा गया है कि भारत में फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड के केवल 2 विनिर्माता हैं अर्थात् फार्मा केमिकल इंडस्ट्रीज और यूनाइटेड फास्फोरस लि.। अतः इसकी परिणति मूल्य निर्धारण एवं आपूर्ति के रूप में एकाधिकारवादी वातावरण में हो सकती है। इसके अलावा, उनकी क्षमता तथा अन्य विनिर्माता- फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड के उत्पादक की क्षमता इस उत्पाद के वास्तविक उपभोक्ताओं, जो मुख्यतः जीवन रक्षक दवाइयों का विनिर्माण करने वाली भेषज कंपनियां हैं, की आवश्यकताओं/मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7.5 मै. फार्मा केमिकल्स इंडस्ट्रीज, मुंबई द्वारा आवेदन से समर्थन वापस ले लिए जाने को प्राधिकारी द्वारा नोट किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस कंपनी द्वारा समर्थन वापस ले लिए जाने से प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए वर्तमान आवेदन को बनाए रखने का आवेदक का अधिकार प्रभावित नहीं होता। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार इस आवेदन को प्रत्येक उत्पाद के लिए आवेदन हेतु समर्थन व्यक्त करने वाले अथवा उसका विरोध करने वाले घरेलू उत्पादकों में से 50% से अधिक का समर्थन प्राप्त है। इस आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का घरेलू उद्योग के प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन में 25% से अधिक का योगदान है। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि यूनाइटेड फास्फोरस का प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रमुख योगदान है।

7.6 प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। (ख) समर्थकों के उत्पादन के साथ मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है। (ग) और यह कि भारतीय घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन में इस आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का भारतीय घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन में योगदान 25% से अधिक है। इस प्रकार यह आवेदन पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से दायर किया गया है। इसके अलावा, मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग है।

ड. समान मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य

8. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना

उपलब्ध कराने की सलाह देते हुए उनके पास प्रश्नावलियां भेजी । चीन जन.गण. के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:

क्र.सं	नाम
1.	मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.
2.	मै. लूओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री
3.	मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन
4.	मै. सेनकेईतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि. एचबी
5.	मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन

चीन के निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए अनुरोध

मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.

8.1 यह उल्लेख किया गया है कि मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि. (जियानपिंग) संबद्ध उत्पाद का उत्पादक एवं घरेलू विक्रेता है लेकिन वह निर्यातक नहीं है । मै. जियानपिंग द्वारा चीन की दो व्यापार कंपनियों अर्थात् चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन ("हाओहुआ") तथा सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन ("सिनोकैम") को संबद्ध उत्पाद बिक्री की जाती है । तत्पश्चात् हाओहुआ और सिनोकैम द्वारा भारत को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) की जाती है । मै. जियानपिंग उत्पादक एवं आपूर्तिकर्ता है जबकि मै. हाओहुआ एवं मै. सिनोकैम निर्यातक हैं । वे एक-दूसरे से संबद्ध नहीं हैं । मै. हाओहुआ एवं मै. सिनोकैम के साथ मै. जियानपिंग ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है । मै. जियानपिंग द्वारा केवल पीसीएल3, पीसीएल5, पीओसीएल3 का उत्पादन किया जाता है और वह टीपीपीआई तथा टीपीएम का उत्पादन नहीं करता है । अतः उत्तर केवल पीसीएल3, पीसीएल5 और पीओसीएल3 से संबंधित है ।

8.1.1 यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है । समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है ।

मै. लूओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री

8.2 यह बताया गया है कि मै. लूओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) संबद्ध वस्तु का उत्पादक और घरेलू विक्रेता है किन्तु वह निर्यातक नहीं है । मै. हुईपू द्वारा चीन की एक व्यापार कंपनी अर्थात् मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है । तत्पश्चात् सिनोकैम भारत को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) करता है । मै. हुईपू उत्पादक तथा आपूर्तिकर्ता है जबकि मै. सिनोकैम निर्यातक है । दोनों संबद्ध नहीं हैं ।

8.2.1 मै. हुईपू केवल टीएमपी का उत्पादन करता है और घरेलू बाजार में टीएमपी की बिक्री करता है तथा भारत को टीएमपी की बिक्री सिनोकैम के जरिए की जाती है । इसलिए उत्तर केवल टीएमपी से संबंधित है । यह बताया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पाद तथा भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है ।

8.2.2 टीएमपी के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले एक दिवालिया उद्यम येनचेंग कैमिकल फैक्ट्री से वर्ष 2004 में शेरधारक द्वारा की गई थी । परिसंपत्तियों की खरीद के दौरान कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं दी गई थी । कंपनी अनेक आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख कच्ची सामग्री प्राप्त करती है । समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है ।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन

8.3 यह उल्लेख किया गया है कि मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन संबद्ध उत्पाद का निर्यातक/व्यापारी है परंतु वह संबद्ध उत्पाद का उत्पादक नहीं है । मै. झुओऊ जियानपिंग कैमिकल कंपनी लि. (जियानपिंग) तथा लोओहे हुईपू कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) मै. सिनोकैम के आपूर्तिकर्ता हैं ।

8.3.1 जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 की आपूर्ति मै. जियानपिंग द्वारा की गई थी । जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त टीएमपी की आपूर्ति मै. हुईपू ने की थी । मै. जियानपिंग तथा मै. हुईपू ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है । मै. जियानपिंग, मै. हुईपू तथा मै. सिनोकैम संबद्ध नहीं हैं । तथापि, सिनोकैम ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी का निर्यात किया था । अतः इस प्रश्नावली के उत्तर में संबद्ध उत्पादों का उल्लेख पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी के रूप में है ।

8.3.2 यह उल्लेख किया गया है कि मै. जियानपिंग तथा मै. हुईपू द्वारा भारतीय बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तु मै. सिनोकैम द्वारा भारत को निर्यातित वस्तु की भौतिक/रासायनिक/तकनीकी विशेषताओं के रूप में समान है । मै. सिनोकैम, मै. सिनोकैम कार्पोरेशन की सहायक कंपनी है जो चीन जन.गण. की राज्य परिषद के राज्य स्वामित्व की परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रशासन आयोग के 100% स्वामित्व में है ।

मै. सेनकेईतांग कैमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं., लि., एचबी

8.4 यह उल्लेख किया गया है कि मै. सेनकेईतांग संबद्ध उत्पाद का उत्पादक एवं घरेलू विक्रेता है परंतु वह संबद्ध वस्तु का निर्यातक नहीं है । सेनकेईतांग द्वारा चीन की एक व्यापारिक कंपनी अर्थात् चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन ("हाओहुआ") को संबद्ध उत्पाद की बिक्री की जाती है । तत्पश्चात् हाओहुआ भारत या अन्य देशों को उत्पादों की पुनः बिक्री (निर्यात) करता है । इस प्रकार सेनकेईतांग उत्पादक और हाओहुआ निर्यातक है । दोनों संबद्ध नहीं हैं । सेनकेईतांग एवं हाओहुआ, दोनों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है । सेनकेईतांग हाओहुआ के जरिए भारत को केवल टीएमपी की बिक्री करता है इसलिए

प्रश्नावली के उत्तर में केवल टीएमपी का उल्लेख है ।

8.4.1 यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है । टीएमपी के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले एक दिवालिया उद्यम जिंगझाऊ एडीटिव फैक्ट्री से वर्ष 2004 में शेरधारक द्वारा की गई थी । परिसंपत्तियों की खरीद के दौरान कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं दी गई थी । कंपनी अनेक आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख कच्ची सामग्री प्राप्त करती है । समस्त सामग्री और संगत निविष्टियों की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों सहित अनेक आपूर्तिकर्ताओं से स्थानीय तौर पर की जाती है ।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन

8.5 यह उल्लेख किया गया है कि मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (जिसे आगे "हाओहुआ" या "कंपनी" कहा गया है) संबंधित उत्पाद का निर्यातक/व्यापारी है परंतु वह संबंधित उत्पाद का उत्पादक नहीं है । मै. जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कंपनी लि. (जियानपिंग) तथा सेंकेईतांग कैमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लि. एचबी (सेनकेईतांग) मै. हाओहुआ के आपूर्तिकर्ता हैं । जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 की आपूर्ति मै. जियानपिंग ने की थी जबकि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित समस्त टीएमपी की आपूर्ति मै. सेंकेईतांग ने की थी । वे एक-दूसरे से संबंधित नहीं हैं ।

8.5.1 मै. हाओहुआ ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल पीसीएल5, पीओसीएल3 तथा टीएमपी का निर्यात किया था, इसलिए उत्तर केवल पीसीएल5 पीओसीएल3 तथा टीएमपी से संबंधित हैं । यह उल्लेख किया गया है कि निर्यात के देश में विचाराधीन उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है ।

5.5.2 मै. हाओहुआ चीन नेशनल कैमिकल कार्पोरेशन के 100% स्वामित्व में है जो राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी है ।

घरेलू उद्योग के विचार

9 घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख करते हुए तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए :

- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता जब प्रमुख शेरधारकों में से एक शेरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित सत्ता हो - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने लगातार यह माना है कि उन मामलों में राज्य के हस्तक्षेप से इन्कार नहीं किया जा सकता जिनमें राज्य के स्वामित्व वाली/नियंत्रित सत्ता का पर्याप्त शेर हो । यह तर्क दिया गया है कि यह प्रश्न केवल पिछले हस्तक्षेपों से संबंधित नहीं है अपितु पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भविष्य में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से भी संबंधित है जो बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए संगत है ।

- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में पर्याप्ततः बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन" का व्यापक अर्थ निरूपण किया गया है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि यह तथ्य नितांत अपर्याप्त है कि वस्तुतः ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमतों से तुलनीय हैं।
- प्रमुख निविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल हैं: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोगिता की प्रमुख मद के रूप में विद्युत एवं ईंधन अपेक्षित होता है। जाहिर तौर पर जब विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली सत्ता होती है, वहां ईंधन आपूर्तिकर्ता के संबंध में अपर्याप्त सूचना उपलब्ध होती है। निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं।
- बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप होती है: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातकों ने ऐसी अनेक स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को अस्वीकृत करने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का बार-बार खंडन किया है जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जीएएपी के अनुरूप हैं। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियों द्वारा यह तर्क दिया जा रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानूनसम्मत नहीं है। यूरोपीय आयोग ने यह माना है कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत इसलिए होती है ताकि वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व एवं व्यय, परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की यथातथ्यता और पर्याप्तता सुनिश्चित की जा सके। यूरोपीय आयोग के अनुसार खातों की विश्वसनीयता इस संबंध में तब तक प्रमाणित नहीं की जा सकती जब तक कि बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप न हों।
- मापदंडों में से एक भी मापदंड को पूरा नहीं करने की स्थिति में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता: घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते।
- सिद्ध करने का भार/दायित्व: घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यह सिद्ध करना प्राधिकारी का दायित्व नहीं है कि प्रतिवादी कंपनियां वस्तुतः बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं। इसके विपरीत

यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं ।

- **रूपांतरण:** घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें वर्तमान शीयरधारकों ने उत्पादन हेतु स्वयं सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं परंतु उन्हें किसी अन्य पार्टी से प्राप्त किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए रूपांतरण की प्रक्रिया पूर्णतः सिद्ध नहीं हो जाती ।

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा ऊपर उल्लिखित अनेक शर्तों को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

9.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत तथा डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है ।

9.2 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यक्ष हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

9.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है । प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है ताकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सके :

9.4 प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के परिसर में प्राधिकारी द्वारा मै. जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कंपनी लि. के निर्यातक सत्यापन के दौरान कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे पर जोर नहीं दिया था । कंपनी ने अन्य बातों के साथ बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी और इस प्रकार वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था अवधारणा का खंडन करने में असमर्थ थी । इस अवसर पर कंपनी ने इस आशय का एक घोषणा पत्र प्रस्तुत किया था ।

9.5 प्राधिकारी द्वारा उत्पादक/निर्यातक सत्यापन आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया । यह सत्यापन मै. जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कंपनी लि., मै. चाइना हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पो. एवं मै. साइनोकेम इंटरनेशनल कार्पो. के संबंध में किया गया था । प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. चाइना हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पो., चाइना नेशनल कैमिकल कार्पो. के 100% स्वामित्व में है, जो राज्य के स्वामित्व की एक कंपनी है । जहां तक मै. सानकाइतांग केमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीएमपी का उत्पादन करने में प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद इस कंपनी ने वर्ष 2004 में जिगझोऊ एडीटिव फैक्ट्री से की थी, जो राज्य के स्वामित्व का एक दिवालिया उद्यम है । परिसंपत्तियों की खरीद की कार्यवाही के दौरान कंपनी ने परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार नहीं कराई थी । इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि सभी प्रकार की सामग्रियों एवं संबंधित निविष्टियों की खरीद राज्य के स्वामित्व की कंपनियों सहित स्थानीय तौर से की गई थी । प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. साइनोकेम इंटरनेशनल कार्पो., मै. साइनोकेम कार्पो. की एक सहायक कंपनी है जो चीन जन.गण. की राज्य परिषद के परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रशासन आयोग के 100% स्वामित्व में है । जहां तक मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि टीएमपी का उत्पादन करने में प्रयुक्त परिसंपत्तियों की खरीद इस कंपनी ने वर्ष 2004 में यानचेंग केमिकल फैक्ट्री से की थी, जो राज्य के स्वामित्व का एक दिवालिया उद्यम है । परिसंपत्तियों की खरीद की कार्यवाही के दौरान कंपनी ने परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार नहीं कराई थी । इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि सभी प्रकार की सामग्रियों एवं संबंधित निविष्टियों की खरीद राज्य के स्वामित्व की कंपनियों सहित स्थानीय तौर से की गई थी ।

9.6 ऐसी किसी स्थिति में जिसमें कोई कंपनी राज्य के स्वामित्व वाली/नियंत्रित सत्ता है, राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता । इसके अलावा, चीन के प्रतिवादी

उत्पादकों ने ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है जिससे यह सिद्ध हो सके कि मूलभूत निविष्टियों की कीमत में खासकर राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से खरीदी गई कुछेक निविष्टियों के संदर्भ में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है। उत्पादकों ने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के नामों का उल्लेख किया है और उनकी विधिक स्थिति को अभिज्ञात किया है जिनमें से कुछ राज्य के स्वामित्व में हैं। प्रतिवादियों ने इस बात को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि निविष्टियों की खरीद प्रचालित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर की गई है। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि कुछेक मामलों में उत्पादों के उत्पादन हेतु प्रयुक्त परिसंपत्तियां राज्य के स्वामित्व वाले दीवालिया उद्यमों से खरीदी गई थीं। इस प्रकार प्राधिकारी चीन के प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों को इस चरण पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने में असमर्थ हैं।

9.7 यह भी नोट किया जाता है कि चीन के उपर्युक्त निर्यातकों के अलावा, किसी अन्य सत्ता ने प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया है।

9.8 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए स्वामित्व एवं नियंत्रण, उद्यम की लागत एवं कीमत को देखते हुए प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन.गण. के उत्पादकों-निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

9.9 चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियां मानते हुए प्राधिकारी ने उन उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है जो निर्यातित उत्पादों के समान उत्पाद हैं। निर्यातकों द्वारा अपने घरेलू बाजार में बेचे गए उत्पादों और भारत को उनके द्वारा निर्यातित उत्पादों के बीच किसी अंतर का दावा नहीं किया गया है।

सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

10.1 जैसा कि ऊपर नोट किया गया है कि संबद्ध देश के प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के पर्याप्त मुद्दे हैं। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम अनुमान लगाया है।

10.2 इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी

अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

10.3 प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना में यह उल्लेख किया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और इसलिए चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए । आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत को एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जा सकता है जिसके लिए यह तर्क दिया गया है कि उनके पास बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है । इस दावे का किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने खंडन नहीं किया है ।

10.3.1 जांच अवधि के भीतर यलो फॉस्फोरस जो संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत में आए पर्याप्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए निर्यात के समय यलो फॉस्फोरस की कीमत पर मासिक आधार पर विचार किया गया है ।

10.4 प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारत को बेचे गए विचाराधीन उत्पाद तथा उनके घरेलू बाजार में बेची गई समान वस्तुओं के बारे में किसी उत्पादक/निर्यातक ने किसी प्रकार के अंतर का दावा नहीं किया गया है । इस मुद्दे पर आगे और जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार उपलब्ध उचित आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के अनंतिम निर्धारण की कार्यवाई की है । तदनुसार विचाराधीन उत्पादों के कारखाना सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है । चूंकि निर्यातकों ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई वस्तु की विशेषताओं में किसी अंतर की पुष्टि नहीं की है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, प्रतिवादी निर्यातकों के खपत संबंधी मानकों, विधिवत समायोजित घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत तथा एसजीए व्यय एवं पीसीएल5, पीओसीएल 3 तथा टीएमपी हेतु 5% के उचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए किया गया है ।

यूरोपीय संघ के उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य

11.1. मै. थर्मफोस इंटरनेशनल बी.वी., नीदरलैंड ने अधिसूचना का उत्तर दिया है और उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख किया है कि यूरोप पर पीओसीएल3 के पाटन का आरोप लगाने के लिए मूलभूत आधार गायब हैं । उन्होंने तर्क दिया है कि यूरोप से मात्रा नगण्य रही है और उनके द्वारा विचाराधीन उत्पाद का पाटन नहीं किया जा रहा है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सीमाओं से अधिक है । प्राधिकारी जांच की कार्यवाई के दौरान इस मुद्दे की निश्चित तौर पर आगे जांच करेंगे कि क्या इस संबंध में प्रतिवादी द्वारा इसके विपरीत साक्ष्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

11.3 यूरोपीय संघ के संबंध में, ई.यू. में बिक्री कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु गौर किया गया था। आवेदक द्वारा ई यू में बिक्री कीमत का दावा उस कीमत के आधार पर किया गया था, जिस कीमत पर ई यू में किसी आयातक/उपभोक्ता ने उत्पाद का आयात किया है। विकल्पतः ई यू में सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के अनुमानों पर विचार करते हुए भी किया गया है ताकि उसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन शामिल किया जा सके। तथापि, सामान्य मूल्य का परवर्ती निर्धारण ई यू में बिक्री के आधार पर निर्धारित मूल्य से कम बनता है और इसे ई यू के मामले में पीओसीएल3 हेतु अपनाया गया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

11.4 चूंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

निर्यात कीमत

सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत

12. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों के अनुरोधों के अनुसार प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यातकों द्वारा किए गए समस्त निर्यातों पर विचार किया है।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (हाओहुआ) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.(उत्पादक)

12.1 मै. "जियानपिंग" चीन में पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का एक उत्पादक है। मै. जियानपिंग द्वारा भारत को पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की असंबद्ध व्यापारिक कंपनियों, जिनमें से एक चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन ("हाओहुआ") है, को की जाती है और तत्पश्चात मै. हाओहुआ द्वारा भारत को उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

12.1.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। प्रत्येक निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में भारत हेतु अलग-अलग भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। माल भाड़े, समुद्री बीमे, बैंक प्रभार, वैट, प्रहस्तन प्रभार, निर्यातक द्वारा दावा की गई लागत तथा उत्पादक द्वारा दावा की गई पैकिंग लागत, जिसका सत्यापन प्राधिकारी ने किया है, का समायोजन किया गया है।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.(उत्पादक)

12.2 मै. "जियानपिंग" चीन में पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का एक उत्पादक है। मै. जियानपिंग द्वारा भारत को पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 का सीधे निर्यात नहीं किया जाता है और

संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की असंबद्ध व्यापारिक कंपनियों, जिनमें से एक मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन ("सिनोकैम") है, को की जाती है। तत्पश्चात् मै. सिनोकैम द्वारा भारत को उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

12.2.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। प्रत्येक निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में भारत हेतु अलग-अलग भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। माल भाड़े, समुद्री बीमे, बैंक प्रभार, वैट, प्रहस्तन प्रभार, निर्यातक द्वारा दावा की गई लागत तथा उत्पादक द्वारा दावा की गई पैकिंग लागत, जिसका सत्यापन प्राधिकारी ने किया है, का समायोजन किया गया है।

मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक) के जरिए मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (उत्पादक)

12.3 मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (हुईपू) टीएमपी का चीन में एक उत्पादक है। मै. हुईपू ने भारत को टीएमपी का सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा उसने संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की एक असंबद्ध व्यापारिक कंपनी मै. सिनोकैम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकैम) को की है। तत्पश्चात् मै. सिनोकैम ने भारत को उत्पाद का निर्यात किया।

12.3.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। प्रत्येक निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में भारत हेतु अलग-अलग भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। माल भाड़े, समुद्री बीमे, बैंक प्रभार, वैट, प्रहस्तन प्रभार, निर्यातक द्वारा दावा की गई लागत तथा उत्पादक द्वारा दावा की गई पैकिंग लागत, जिसका सत्यापन प्राधिकारी ने किया है, का समायोजन किया गया है।

मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक) के जरिए मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. (उत्पादक)

12.4 मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., टीएमपी का चीन में एक उत्पादक है। मै. सेनकेइतांग ने भारत को टीएमपी का सीधे तौर पर निर्यात नहीं किया है तथा उसने संबद्ध उत्पाद की बिक्री चीन की एक असंबद्ध व्यापारिक कंपनी मै. मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक), को की है। तत्पश्चात् मै. हाओहुआ ने भारत को उत्पाद का निर्यात किया।

12.4.1 प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। प्रत्येक निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में भारत हेतु अलग-अलग भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। माल भाड़े, समुद्री बीमे, बैंक प्रभार, वैट, प्रहस्तन प्रभार, निर्यातक द्वारा दावा की गई लागत तथा उत्पादक द्वारा दावा की गई पैकिंग लागत, जिसका सत्यापन प्राधिकारी ने किया है, का समायोजन किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

12.5 चूंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का निर्णय लिया है। आंकड़ों का मिलान आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना तथा सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार किया गया है।

पाटन मार्जिन:

13. जांचाधीन प्रत्येक उत्पाद के लिए उपर्युक्तानुसार अलग-अलग निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:

चीन जन.गण. के उत्पादक/निर्यातक	देश	उत्पादक	पाटन मार्जिन अम.डॉ. प्रति कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन (हाओहुआ) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.(उत्पादक)	चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	***	58.94%
		पीओसीएल ₃	***	46.34%
मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सिनोकेम) (निर्यातक) के जरिए मै जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कं. लि.(उत्पादक)	चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	***	63.56%
		पीओसीएल ₃	***	54.74%
मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन (निर्यातक) के जरिए मै. लुओहे हुईपू कैमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री (उत्पादक)	चीन जन.गण.	टीएमपी	***	23.17%
मै. चीन हाओहुआ कैमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन, (निर्यातक) के जरिए मै. सेनकेइतांग इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि. (उत्पादक)	चीन जन.गण.	टीएमपी	***	23.98%
उपरोक्त तालिका में विनिर्दिष्ट उत्पादकों/निर्यातकों को छोड़कर सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	***	68.96%
		पीओसीएल ₃	***	135.23%
		टीएमपी	***	52.69%
समस्त उत्पादक/निर्यातक	यूरोपीय संघ	पीओसीएल ₃	***	Negative

च. क्षति

हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध

11. मै. रूपा इंडस्ट्रीज लि., हैदराबाद ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार उल्लेख किया है कि:

- वह ट्राइफिनाइल फॉस्फाइट के विनिर्माता हैं, जिसमें फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड (पीसीएल 3) एक प्रमुख कच्चा माल है और वह चीन तथा यूरोपीय संघ, जिनसे भारतीय उद्योग द्वारा ट्राइफिनाइल फॉस्फाइट का आयात किया जा रहा है, से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। यद्यपि, घरेलू मांग नियमित है, तथापि ऑर्डरों के अभाव में उन्हें अपने विनिर्माण कार्यकलाप रोकने के लिए विवश होना पड़ा और वर्ष में बार-बार कई माह तक ऊपरी व्यय आदि का भार वहन करना पड़ा। इसका कारण यह है कि आयात कीमत उनकी कीमत से काफी कम होती है हालांकि, यह उचित रूप से निर्धारित की जाती है।
- उनके उत्पाद की घरेलू खपत उनकी उत्पादन क्षमता से अधिक है और यदि उन्हें समुचित बिक्री कीमत प्राप्त हो सकती हो तो उन्हें मांग को पूरा करने के लिए क्षमता का विस्तार करना चाहिए, परंतु परिदृश्य इसके सर्वथा विपरीत है। वह अपनी वर्तमान मासिक उत्पादन क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं है।
- अप्रैल 2008 के बाद जिन दो कंपनियों से वे अपनी जरूरतों की पूर्ति कर रहे थे, उन दोनों कंपनियों ने फॉस्फोरस की आयात कीमत में तेजी से हुई वृद्धि का कारण बताते हुए फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत में माह-दर-माह वृद्धि कर दी थी। फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत बढ़कर 217 रूपए प्रति किग्रा. तक पहुंच गई जिसका उनके कार्यकलाप की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसके अलावा, आपूर्तिकर्ता उनकी अपेक्षाओं/कार्यक्रमों के प्रति वचनबद्ध नहीं रहे थे।
- इसके अलावा, आपूर्तिकर्ता स्वयं उनके अन्य यौगिकों के लिए फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड के आबद्ध खपतकर्ता भी नहीं थे और स्पष्ट तौर पर उन्होंने अपने व्यापार कार्यकलाप के हित में मूल्यवर्धन पर विचार किया है। अपने खुद के फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड के आबद्ध खपतकर्ता होने के कारण उन्हें तुलनात्मक लाभ मिला है।
- उन्हें पिछले कुछ महीनों से अपना उत्पादन अत्यधिक कम करने के लिए बाध्य किया गया था और फॉस्फोरस ट्राइ क्लोराइड की कीमत में तेजी से वृद्धि जारी रहने की अवधि के दौरान कुछ माह तक कार्यकलाप बंद भी कर दिया था जिसकी वजह यह थी कि यह उक्त निविष्टि की लागत पर व्यवहार्य नहीं था और आयात कीमत की तुलना में वे अपने ग्राहकों को तैयार उत्पाद की पेशकश नहीं कर सकते थे। ट्राइफिनाइल फोस्फाइन के विनिर्माण की व्यवहार्यता प्रभावित हुई थी।
- 1.0 किग्रा. पीसीएल 3 के विनिर्माण के लिए फॉस्फोरस की खपत 0.27 किग्रा. से कम होती है और इसमें शेष क्लोरीन होता है, जो स्थानीय रूप से उपलब्ध है और

जिसकी कीमत बहुत कम है जो निःशुल्क से अधिकतम 9,000/- रूपए प्रति मी.ट. के बीच है । यदि फॉस्फोरस की आयात कीमत दोगुनी भी हो जाती, तो जिस समय उन्हें फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड के आयात हेतु विवश होना पड़ा था, उस समय विनिर्माताओं द्वारा पेशकश की गई कीमत पूर्ववर्ती पेशकश/सौदे की तुलना में लगभग 3 गुना थी । उदाहरण के तौर पर हम फॉस्फोरस की वर्तमान आयात कीमत तथा क्लोरीन एवं पीसीएल 3 की घरेलू पेशकश को लें और यह मानते हुए कि फॉस्फोरस की आयात कीमत में भी 3 गुना वृद्धि होती है, पीसीएल 3 की कीमत में 3 गुना वृद्धि के औचित्य का सत्यापन करें ।

चाइना हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पो., चीन जन.गण., साइनोकैम इंटरनेशनल कार्पो., चीन जन.गण. तथा जुझोऊ जियानपिंग कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा किए गए निवेदन

14.1 चीन के उपर्युक्त प्रतिवादियों ने अन्य बातों के साथ निम्नलिखित निवेदन किए हैं :-

- प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन की गणना को प्रकट किया जाना चाहिए ।
- घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त यलो फॉस्फोरस का आयात चीन जन.गण. से किया जाता है, जहां इस पर भारी निर्यात शुल्क पहले से ही लगाया गया है ।
- चीन के येलो फॉस्फोरस के निर्यातकों को सीमाशुल्क, समुद्री मालभाड़ा तथा विदेशी बीमा वहन नहीं करना पड़ता । तथापि, भारतीय घरेलू उद्योग को ये लागतें (एवं अन्य लागतें भी) वहन करनी पड़ती हैं, जब येलो फॉस्फोरस का चीन से आयात किया जाता है । निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अंतर को शामिल नहीं किया जाना चाहिए ।
- क्षति मार्जिन की गणना मासिक आधार पर की जानी चाहिए और तत्पश्चात जांच अवधि हेतु इसका औसत निकाला जाना चाहिए ।
- नियोजित पूंजी पर 22% की आय की प्राधिकारी की नीति गलत है ।
- वर्ष 2005-06 और 2006-07 के दौरान पीसीएल 5 का आयात शून्य था और वर्ष 2007-08 के दौरान पीसीएल 5 का आयात अत्यल्प मात्रा में किया गया था । अतः घरेलू उद्योग को इन वर्षों के दौरान हुई क्षति का कारण वर्धित आयातों को नहीं माना जा सकता ।
- आयात से संबंधित आंकड़े और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि आयातों के बढ़ने से घरेलू उद्योग के घाटे में भारी कमी आई है ।
- चूंकि प्राधिकारी ने यह देखा है कि कोई कीमत हास नहीं हुआ है, अतः यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को विभिन्न अन्य कारकों का सामना करना पड़ रहा है और इनका कारण आयातों को बताना अनुचित है ।

- क्षति के संबंध में प्राधिकारी के जांच परिणाम आयातों की मात्रा में वृद्धि और बाजार हिस्से में गिरावट पर आधारित है। क्षति से संबंधित निष्कर्ष निकालते समय केवल यही निर्णायक कारक नहीं होता।
- चीन में येलो फॉस्फोरस के निर्यातों पर दिनांक 20 मई, 2008 से सीमाशुल्क में की गई 100% की भारी वृद्धि के कारण चीन से भारतीय उत्पादकों द्वारा आयातित येलो फॉस्फोरस की लागत में भी वृद्धि हुई जिसके कारण पीसीएल 5 के भारतीय प्रयोक्ता चीन से पीसीएल 5 के आयातों की ओर प्रवृत्त हो गए। भारतीय उत्पादकों को कच्चे माल के मामले में हुए नुकसान का कारण चीन से पीसीएल 5 के कथित पाटन को नहीं माना जाना चाहिए।
- चीन की सरकार येलो फॉस्फोरस के निर्यातों को प्रोत्साहित नहीं करती। येलो फॉस्फोरस के निर्यात पर सीमाशुल्क लगभग 80% से 120% रहा है, जबकि चीन से इस उत्पाद के निर्यातों पर कोई सीमाशुल्क नहीं है। अतः भारत के लिए सर्वोत्तम विकल्प भारत में इसका उत्पादन करने के बजाए इस उत्पाद का आयात करना है।

घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा किए गए निवेदन

14.2 घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ निम्नलिखित निवेदन किए हैं:-

- यदि सभी घरेलू उत्पादकों के उत्पादन पर विचार किया जाए तो पीओसीएल3 के मामले में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की स्पष्ट रूप से पुष्टि होती है।
- जांच की अवधि के दौरान उत्पादों की बिक्री कीमत में पर्याप्त परिवर्तन हुआ है। इसमें पहले वृद्धि हुई एवं तत्पश्चात उल्लेखनीय गिरावट आई। अतः घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान सुधार देखा गया। तथापि, जांच अवधि के अंत में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में फिर से अत्यधिक गिरावट आई है।
- चूंकि विभिन्न समयावधिक के दौरान उत्पाद की कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई, अतः प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि की केवल शुरुआत तथा अंत में पाटन एवं क्षति के निर्धारण पर विचार किया जाना चाहिए।
- घरेलू उद्योग को पीसीएल 5, पीओसीएल 3 तथा टीएमपी के मामले में क्षति का सामना करना पड़ा है जिसे निम्नानुसार सिद्ध किया जा सकता है :-

पीसीएल-5 - याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है। चीन जन.गण. से पीसीएल 5 के आयात 7.40% के बाजार हिस्से के साथ वर्ष 2007-08 में शुरू हुए थे, जिनमें जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई और ये 59.05% हो गए। जबकि चीन जन.गण. के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई और समस्त घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई और यह वर्ष 2005-06 में 98.54% से घटकर 2007-08 में 92.60% तथा जांच अवधि में 36.47% रह गया। अतः पीसीएल 5 के मामले में मात्रात्मक प्रभाव प्रतिकूल रहा है। जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह निवेदन किया जाता है कि पीसीएल 5 के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है। क्षति

अवधि के दौरान जहां पीसीएल 5 की लाभप्रदता में सुधार हुआ है, वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत बहुत ही कम रही है ।

पीओसीएल 3 - संबद्ध देशों से पीओसीएल 3 के आयात जांच अवधि के दौरान शुरू हुए थे और जांच अवधि के दौरान इन आयातों ने उल्लेखनीय बाजार हिस्सा हासिल कर लिया था । जांच अवधि के दौरान संपूर्ण घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई थी । पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई परंतु वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 की तुलना में इनमें वृद्धि हुई । जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह निवेदन किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग बिक्री की लागत में वृद्धि की तुलना में घरेलू बिक्री कीमतों में वृद्धि करने में समर्थ था, तथापि, आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से बहुत कम थी ।

टीएमपी- टीएमपी के मामले में चीन के उत्पाद के आयातों में जांच अवधि के दौरान इसके बाजार हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी, जबकि समस्त घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई । पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में उत्पादन में वृद्धि हुई है, तथापि, वर्ष 2005-06 और 2006-07 की तुलना में इसमें गिरावट आई है । क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है । समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को लाभ होता रहा, परंतु आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान निवेश से आय तथा नकद लाभ के रूप में भी घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में गिरावट आई है । आगे यह भी निवेदन किया गया है कि बिक्री कीमत में बिक्री की लागत के अनुरूप वृद्धि नहीं हुई है, अतः उल्लेखनीय कीमत ह्रास हुआ है । इसके अलावा, टीएमपी के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है ।

14.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसरण में प्रकटीकरण विवरण में पाटन मार्जिन की गणना को हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया है ।
- यह तथ्य कि चीन जन.गण. की सरकार ने कच्चे माल पर निर्यात शुल्क लगा दिया है, वर्तमान प्रयोजन हेतु प्रासंगिक नहीं है । नियमावली के अंतर्गत चीन के निर्यातकों से यह सिद्ध करने की अपेक्षा की गई थी कि वे बाजार स्थितियों के अंतर्गत प्रचालनरत हैं । चूंकि चीन के निर्यातकों में से कोई भी बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे को सिद्ध करने में समर्थ नहीं है, अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अंतर्गत निर्धारित नियमों के आधार पर किया गया है । पैरा-7 के अंतर्गत किसी भी उपबंध में कच्चे माल अथवा स्वयं उत्पाद के संबंध में चीन की लागतों अथवा कीमतों को अपनाने का प्रावधान नहीं है । रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ येलो फॉस्फोरस की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार किया है जो इस विषय पर नियमावली के पूर्णतः अनुरूप है ।

- प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का निर्धारण माह-वार क्षति रहित कीमत एवं आयातों की पहुंच कीमत के निर्धारण के बाद किया है। भारत औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण जांच अवधि के प्रत्येक माह में किए गए निर्यातों के संबद्ध भार पर विचार करने के बाद किया गया है।
- जहां तक क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियोजित पूंजी से आय का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा पारंपरिक पद्धति का अनुप्रयोग किया गया है। अपने तर्क प्रस्तुत करते समय चीन के प्रतिवादियों ने इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जो यह सिद्ध करता हो कि पारंपरिक पद्धति का अनुप्रयोग वर्तमान मामले में अनुचित है।
- इस तथ्य के मद्देनजर कि चीन जन.गण. से वर्ष 2005-06 और 2006-07 में पीसीएल 5 का कोई आयात नहीं किया गया था, इस संबंध में प्रस्तुत तर्कों को प्राधिकारी ने नोट किया है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करते समय प्राधिकारी ने इस तथ्य का विधिवत संज्ञान लिया है।
- जहां तक जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त माहवार बिक्री प्राप्ति से संबंधित विवरण में बिक्री कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि एवं तत्पश्चात् जांच अवधि के अंत में अत्यधिक गिरावट दर्शायी गई है।
- जहां तक इस तथ्य का संबंध है कि वास्तविक क्षति का निर्णय केवल आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्से के आधार पर नहीं लिया जा सकता, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति से संबंधित निष्कर्ष केवल आयातों की मात्रा और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट पर आधारित नहीं है, अपितु यह क्षति से संबंधित सभी मानदंडों के आकलन पर आधारित है, जैसा कि इस विषय से संबंधित नियमों एवं विनियमों के अंतर्गत अधिदेशित है।

14.4 प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन एवं प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा किए गए निवेदन

प्रकटीकरण विवरण के उत्तर में निम्नलिखित निवेदन भी किए गए हैं :-

नियोजित पूंजी से आय- जहां तक नियोजित पूंजी से आय संबंधी तर्क का संबंध है, यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि :-

(क) वास्तव में याचिकाकर्ता/घरेलू उद्योग की यह शिकायत है कि प्राधिकारी ने निवेश पर अत्यधिक कम आय दर्शायी है।

(ख) इस बात को ध्यान में रखते हुए कि इन संयंत्रों में किया गया निवेश पर्याप्तः पुराना है, प्राधिकारी द्वारा नियोजित आय तथा लाभ के निर्धारण हेतु सकल अचल परिसंपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि निवल अचल परिसंपत्तियों को विचार में लेकर नियोजित पूंजी के निर्धारण की वर्तमान पद्धति में एक प्रमुख विसंगति है, क्योंकि निवल स्थायी परिसंपत्तियों में कमी के साथ-साथ नियोजित पूंजी में वर्ष दर वर्ष गिरावट आती है।

दरअसल जब परिसंपत्तियों का पूर्णतः मूल्यहास हो जाता है, तो वर्तमान पद्धति से यह आशयित होता है कि घरेलू उद्योग को स्थायी संपत्ति में किए गए निवेश पर कोई लाभ प्राप्त नहीं होना चाहिए। यह एक अत्यंत अनुचित स्थिति है।

(ग) विचाराधीन उत्पाद अत्यंत विशेष स्वरूप के उत्पाद हैं, जिनका उत्पादन वैश्विक रूप से जिन देशों एवं कंपनियों द्वारा किया जाता है, उनकी संख्या अत्यंत सीमित है। अतः यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसे महत्वपूर्ण उत्पादों का उत्पादन देश के भीतर ही हो, घरेलू उद्योग का पर्याप्त संरक्षण किया जाना चाहिए। विशेष रूप से ऐसी स्थिति में जब चीन के उत्पादकों एवं चीन की सरकार का एक ही स्पष्ट लक्ष्य है अर्थात् विभिन्न फास्फोरस आधारित यौगिकों के अन्य सभी उत्पादकों को पूर्णतः समाप्त कर देना।

चाइना हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पो., चीन.जन.गण.; साइनोकेम इंटरनेशनल कार्पो., चीन जन.गण.; सानकाइतांग केमिकल इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., एच बी, चीन.जन.गण.; लुओहे हाइपू केमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री एवं जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. की ओर से संक्षेप में निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :-

1. यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि पीसीएल-5 के मामले में पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण हेतु केवल मात्रात्मक प्रभाव एकमात्र मानदंड नहीं हो सकता।

प्राधिकारी द्वारा जांच : पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में दोनों बातों पर विचार करने का प्रावधान है अर्थात् (क) पाटित आयातों की मात्रा एवं समान वस्तु की कीमत पर घरेलू बाजार में पाटित आयातों का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। इसके अलावा, पाटनरोधी नियमावली में यह प्रावधान है कि पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाएगा कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन एवं खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय सीमा तक गिरावट लाना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती।

प्रस्तुत मामले में जांच से यह बात स्पष्ट रूप से सिद्ध होती है कि पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से तथा भारत में पीसीएल 5 के मामले में उत्पादन एवं खपत के सापेक्ष वृद्धि हुई है, जो क्षति के विश्लेषण से जाहिर है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है और घरेलू उद्योग क्षति रहित कीमत प्राप्त करने में समर्थ नहीं है।

प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच एवं आकलन करने की अपेक्षा की गई है, जिसमें

पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अनेक मानदंडों पर विचार करना होता है । पाटनरोधी नियमावली में जहां सभी सूचीबद्ध मानदंडों की जांच एवं आकलन का प्रावधान है, यह प्रावधान नहीं है कि प्रत्येक मानदंड के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आनी चाहिए । केवल एक या अधिक आर्थिक मानदंडों में गिरावट यह आकलन करने के लिए पर्याप्त है कि घरेलू उद्योग को क्षति का सामना करना पड़ा है बशर्ते कार्य-निष्पादन में ऐसी गिरावट अन्य मानदंडों में सकारात्मक घटनाक्रमों की तुलना में अधिक होनी चाहिए । इस प्रकार यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में निहित प्रावधानों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है ।

2. यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि जब कीमत कटौती की सीमा कम कीमत पर बिक्री की सीमा से अधिक हो, तो यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग वह कीमत प्राप्त करने में समर्थ है जो क्षति रहित कीमत से उच्चतर है । ऐसी स्थिति में जब घरेलू उद्योग क्षति रहित कीमत से अधिक कीमत प्राप्त करने में समर्थ है तो क्षति का दावा कैसे किया जा सकता है और घरेलू उद्योग को इसका कारण कैसे माना जा सकता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच: प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह उपर्युक्त तर्क तथ्यों की गलत समझ पर आधारित है । जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणाम में पहले ही दर्ज किया गया है, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान येलो फास्फोरस (जो संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण हेतु एक प्रमुख कच्चा माल है) येलो फास्फोरस की कीमत में उल्लेखनीय परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए मासिक आधार पर येलो फास्फोरस की कीमत पर विचार किया है । तदनुसार मासिक आधार पर संबंधित मानदंडों पर विचार करते हुए कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का विश्लेषण किया गया है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने समूची जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन एवं बिक्री की है , जिसमें पीसीएन 5 तथा टीएमपी दोनों के मामले में घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति जांच अवधि के दौरान क्षति रहित कीमत की तुलना में बहुत कम है ।

3. यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि नियोजित पूंजी पर 22% की आय भारत सरकार द्वारा डब्ल्यू पी ओ के समक्ष किए गए प्रस्ताव के विरुद्ध है । कमतर शुल्क के नियम को लागू करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एनआईपी का पुनः आकलन किया जाना चाहिए, जिसमें भारत सरकार द्वारा संबंधित ऊपर्युक्त मानदंडों को अपनाया जाना चाहिए । नियोजित पूंजी पर 22% की आय लागू करना अत्यंत एकतरफा, अनुचित है और यह तथ्यों एवं आवेदक घरेलू उद्योग के विगत अनुभव पर आधारित नहीं है । 22% के आरओसीई के कारण आवेदक घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ प्राप्त होता है और इसे संशोधित किया जाना आवश्यक है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी की पारंपरिक पद्धति के अनुसार ब्याज की वसूली, निगमित कर तथा समुचित लाभ के प्रावधान हेतु क्षति रहित कीमत के निर्धारण में नियोजित पूंजी से उचित आय का ध्यान रखा गया है ।

पीओसीएल3 के मामले में संचयी निर्धारण

15. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त प्रतिशत से दो प्रतिशत अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की तीन प्रतिशत से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के सात प्रतिशत से अधिक है, और
- (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

15.1 आवेदक ने दावा किया है कि:

- i पीओसीएल3 के अलग-अलग कई ग्रेड नहीं होते हैं । संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद में तुलनीय गुणधर्म होते हैं । दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों तथा घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त वस्तु आपस में समान वस्तुएं हैं ।
- ii ऐसी सीमित पार्टियां हैं जो इस सामग्री का उपयोग करती हैं । ग्राहकों के एक ही खंड द्वारा आयातित तथा घरेलू सामग्री का अदल-बदल कर उपयोग किया जा रहा है ।
- iii संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने समान ग्राहकों को समान अवधि में समान उत्पाद की बिक्री की है ।
- iv प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयातों का बाजार हिस्सा न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- v घरेलू उत्पादक तथा संबद्ध देश के निर्यातक समान ग्राहकों को उत्पाद की बिक्री करते हैं और दोनों ही समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । दोनों का उपयोग ग्राहक अदल-बदल कर रहे हैं ।

15.2 तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ से पीओसीएल 3 के आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम है अतः यूरोपीय संघ के विरुद्ध जांच समाप्त की जाती है । तदनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आकलन अपेक्षित नहीं है । अतः प्राधिकारी ने केवल चीन जन.गण. के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण किया है ।

15.3 नियमों के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

15.4 जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

15.5 प्राधिकारी ने तथ्यों एवं हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है जो निम्नानुसार है :

आयात मात्रा

15.6 आवेदक ने आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर आयात से संबंधित निम्नलिखित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं :

क्र.सं.	उत्पाद	जांच अवधि (अक्टू.07 से दिसं.08)
		मात्रा (मी.ट.)
1.	पीसीएल 5	1722.00
2.	पीओसीएल 3 (चीन जन.गण.)	900.00
3.	टीएमपी	368.00

15.7.1 तथापि, प्रतिवादी निर्यातकों से प्राप्त उत्तरों के अनुसार उनके द्वारा भारत को किया गया संबद्ध वस्तु का वास्तविक निर्यात निम्नानुसार रहा है :

क्र.सं.	उत्पादक	आयातित संबद्ध वस्तु की मात्रा
		मी.ट.
1.	पीसीएल ₅	1899.00
2.	पीओसीएल ₃	960.00
3.	टीएमपी	352.00

15.7.2 अतः संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण करने के लिए रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों का मिलान कर उन पर विचार किया गया है जो निम्नानुसार है :

आयात मी.ट. में	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (अक्टू. 07 - दिसं. 08)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
पीसीएल ₅	32	0.42	123	1899	1519
पीओसीएल ₃ (चीन जन. गण.)	0	0	0	960	768
टीएमपी	32	32	0	368	294

15.7.3 इस प्रकार, संबद्ध वस्तु के आयात के बारे में रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि :

15.7.4 पीसीएल₅, पीओसीएल₃ तथा टीएमपी के मामले में जांच अवधि के दौरान आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । यह देखा गया है कि क्षति अवधि में पीसीएल₅ तथा टीएमपी के आयातों में समग्र वृद्धि हुई है । पीओसीएल₃ के मामले में आयात जांच अवधि के दौरान ही शुरू हुए हैं ।

15.7.5 यह देखा गया है कि चीन जन. गण. को छोड़कर किसी अन्य देश से टीएमपी का कोई आयात नहीं हुआ । यद्यपि, ई यू (जर्मनी एवं नीदरलैंड) से हुआ पीओसीएल₃ का आयात भी न्यूनतम सीमा से अधिक है । आवेदक ने यह दावा किया है कि हांगकांग से पीओसीएल₃ तथा पीसीएल₅ का आयात चीन जन. गण. से यानांतरित हुआ है क्योंकि संबद्ध वस्तु के लिए हांगकांग में कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है । अन्य स्रोतों से पीसीएल₅ का आयात न्यूनतम सीमा से कम रहा है ।

मांग तथा बाजार हिस्सापीसीएल5

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	0	0	123	1899	1,519
अन्य आयात	32	0.42	0	144	115
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	1,166	928	834	691	553
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	982	875	706	482	386
कुल मांग मी.ट. में	2,180	1,803.42	1,663	3,216	2,573
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	53.48				
		51.48	50.15	21.48	21.48
अन्य भारतीय उत्पादक	45.06	48.50	42.45	14.99	14.99
चीन जन.गण.	-	-	7.40	59.05	59.05
अन्य देश	1.48	0.02	-	4.48	4.48

पीओसीएल₃

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	0	0	0	960	768
ई यू से कुल आयात मी.ट. में	0	0	0	395	316

अन्य आयात	0	0	0	136	108
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	2,176	2,817	3,197	3,622	2,898
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	2,160	1,324	1,106	486	389
कुल मांग मी.ट. में	4,336	4,141	4,303	5,599	4,479
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	50.19	68.02	74.29	64.70	64.70
अन्य भारतीय उत्पादक	49.81	31.98	25.71	8.68	8.68
चीन जन.गण.	-	-	-	17.15	17.15
ई यू	-	-	-	7.05	7.05
अन्य देश	-	-	-	2.42	2.42

टीएमपी

मांग	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से कुल आयात मी.ट. में	32	32	0	368	294
अन्य आयात	0	0	0	0	0
बिक्री-घरेलू उद्योग मी.ट. में (आबद्ध सहित)	2,842	4,153	4,467	5,284	4,227
बिक्री-अन्य उत्पादक, मी.ट. में	739	910	993	0	0
कुल मांग मी.ट. में	3,613	5,095	5,460	5,652	4,521
मांग में बाजार हिस्सा % में					
घरेलू उद्योग	78.66	81.52	81.81	93.49	

	78.66				93.49
अन्य भारतीय उत्पादक	20.45	17.85	18.19	-	-
चीन जन.गण.	0.89	0.63	-	6.51	6.51
अन्य देश	-	-	-	-	-

15.8 यह देखा गया है कि पीसीएल5 के मामले में चीन के उत्पाद ने पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में भारतीय बाजार में अपनी पैठ बनाई है। पीओसीएल3 के मामले में सबद्ध देशों से हुए आयातों ने जांच अवधि के दौरान पर्याप्त बाजार हिस्सा हासिल किया है। टीएमपी के मामले में चीन के उत्पाद के आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

मांग

15.9 देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री (आबद्ध खपत सहित) तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध समस्त स्रोतों से आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है। यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीसीएल5 और पीओसीएल3 की मांग में वृद्धि हुई है। जहां तक टीएमपी का संबंध है, आधार वर्ष की तुलना में मांग में वृद्धि हुई है परंतु आधार वर्ष से इतर वर्षों की तुलना में इसमें गिरावट आई है।

आयातों का कीमत प्रभाव

15.10 जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

15.10.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि की तुलना में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु निविष्टि की लागत में पर्याप्त वृद्धि हुई थी जिससे क्षति अवधि के भीतर कीमतों में बढोत्तरी हुई थी।

घरेलू बिक्री	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल5						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	117	162	162
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	111	177	177
पीओसीएल3						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	98	182	182
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	90	221	221
टीएमपी						
बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	107	157	157
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	99	130	130

15.10.2 उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष-दर-वर्ष घरेलू उद्योग पीसीएल5 तथा पीओसीएल3 के मामले में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक घरेलू बिक्री कीमत को बढ़ाने में समर्थ रहा था। टीएमपी के मामले में बिक्री लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 57% की वृद्धि हुई है और इसी अवधि के दौरान घरेलू बिक्री कीमत में 30% की वृद्धि हुई है।

15.10.3 जांच अवधि के दौरान निविष्टियों की कीमत में व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना माह-दर-माह आधार पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ पुनः की है। तदनुसार भारत औसत कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध आयात मात्रा पर विचार करने के बाद किया गया है। यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योगों की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप ईयू से पीओसीएल3 के मामले को छोड़कर कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

देश	उत्पाद	आंकड़ों का आधार	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती % के रूप में
चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	प्रतिवादी	***	40-50%
चीन जन.गण.	पीओसीएल ₃	प्रतिवादी	***	60-70 %
चीन जन.गण.	टीएमपी	आईबीआईएस	***	30-40 %
यूरोपीय संघ	पीओसीएल ₃	आईबीआईएस	***	Negative

बिक्री मात्रा

15.11 घरेलू बिक्री के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से निम्नानुसार पता चलता है:

घरेलू बिक्री (मर्चेन्ट)		2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
	इकाई					
पीसीएल ₅	मी. ट.	1,148	928	788	664	531
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	81	69	46	46
पीओसीएल ₃	मी. ट.	1,577	2,413	2,631	3,622	2,893
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	167	184	184
टीएमपी	मी. ट.	1,070	906	752	601	481
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	70	45	45
आबद्ध						
पीसीएल ₅	मी. ट.	18	-	46	27	21
पीओसीएल ₃	मी. ट.	599	404	566	0	0
टीएमपी	मी. ट.	1,772	3,247	3,715	4,683	3,746
कुल						
(मर्चेन्ट + आबद्ध)						
पीसीएल ₅	मी. ट.	1,166	928	834	691	553
पीओसीएल ₃	मी. ट.	2,176	2,817	3,197	3,622	2,898
टीएमपी	मी. ट.	2,842	4,153	4,467	5,284	4,227

15.11.1 यद्यपि पीओसीएल₃ के मामले में क्षति अवधि की तुलना में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। तथापि क्षति अवधि की तुलना में बिक्री में गिरावट आई है। जहां तक टीएमपी का संबंध है, वर्ष 2007-08 की अवधि तक आधार वर्ष की तुलना में बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई परंतु जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है।

क्षमता

15.12 विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता निम्नानुसार है:

क्षमता	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल5	1800	1800	1800	2250	1800
पीओसीएल3	1440	1440	1440	1800	1440
टीएमपी	12000	12000	12000	15000	12000

15.12.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए पृथक/अनन्य सुविधा है और क्षति अवधि में कोई क्षमता संवर्धन नहीं हुआ है।

उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

15.13.1 जहां तक घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग का संबंध है, इसका कार्य निष्पादन निम्नानुसार है :-

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल₅					
क्षमता	1800	1800	1800	2250	1800
उत्पादन	1,327	1,155	838	827	662
क्षमता उपयोग	73.72	64.17	46.56	36.76	36.76
पीओसीएल₃					
क्षमता	1440	1440	1440	1800	1440
उत्पादन-संयंत्र 1	1,109	1,026	1,370	1433	1,146
उत्पादन संयंत्र 2 (उत्पाद द्वारा)	1,231	1,896	1,834	2571	2057
कुल उत्पादन	2,340	2,922	3,204	4004	3203
क्षमता उपयोग	77.01	71.25	95.14	79.62	79.62
टीएमपी					
क्षमता	12000	12000	12000	15000	12000
उत्पादन	10,880	10,320	9,217	12,061	9,649
क्षमता उपयोग	90.67	86.00	76.81	80.41	80.41

15.13.2 यह देखा गया है कि :-

- (क) क्षति अवधि के दौरान पीसीएल5 के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।
- (ख) क्षति अवधि में पीओसीएल3 के उत्पादन में जिसमें वर्ष 2007-08 में वृद्धि हुई है परंतु उसके बाद जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई है ।
- (ग) टीएमपी के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वर्ष 2007-08 तक गिरावट आई है और उसके बाद जांच अवधि में वृद्धि हुई है । तथापि, आधार वर्ष की तुलना में उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है ।

बाजार हिस्सा

15.14 पीसीएल5 के संबंध में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है । टीएमपी के मामले में क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । जहां तक पीओसीएल का संबंध है, बाजार हिस्से में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई है परंतु उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है ।

कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

15.15 यह देखा गया है कि यूरोपीय संघ से पीओसीएल3 के आयातों के मामले को छोड़कर प्रत्येक संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत इन उत्पादों की बिक्री कीमत से काफी कम रही है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है:

कीमत कटौती

देश	उत्पाद	आंकड़ों का आधार	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती % के रूप में
चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	प्रतिवादी	***	40-50%
चीन जन.गण.	पीओसीएल ₃	प्रतिवादी	***	60-70 %
चीन जन.गण.	टीएमपी	आईबीआईएस	***	30-40 %
यूरोपीय संघ	पीओसीएल ₃	आईबीआईएस	***	ऋणात्मक

कम कीमत पर बिक्री

देश	उत्पाद	आंकड़ों का आधार	कीमत कटौती (रु./किग्रा.)	कीमत कटौती % के रूप में
चीन जन.गण.	पीसीएल ₅	प्रतिवादी	***	15-25 %
चीन जन.गण.	पीओसीएल ₃	प्रतिवादी	***	10-20 %
चीन जन.गण.	टीएमपी	आईबीआईएस	***	10-20 %
यूरोपीय संघ	पीओसीएल ₃	आईबीआईएस	***	ऋणात्मक

लाभ/हानि, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय.

15.16.1 जहां तक लाभ, नियोजित पूंजी से आय तथा नकद प्रवाह का संबंध है, घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है :-

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 - दिसं.,08	अक्टू.07 - दिसं.,08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल₅					
कर पूर्व लाभ (रू./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-35	-110	-32	-32
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-18	-91	8	8
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	2	-65	31	31

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.07 - दिसं.,08	अक्टू.07 - दिसं.,08 (वार्षिकीकृत)
पीओसीएल₃					
कर पूर्व लाभ (रू./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-192	-169	-124	-124
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-192	-169	-123	-123
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	-100	-170	-57	-15	-15

	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
टीएमपी					
कर पूर्व लाभ (रु./किग्रा.)	***	***	***	***	***
कर पश्चात लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	224	110	57	57
नकद लाभ (लाख रुपए में)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	221	113	56	56
निवेश पर आय (%)	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	182	54	25	25

15.16.2 उपर्युक्त तालिकाओं से यह पता चलता है कि -

- (क) पीसीएल5 के मामले में घरेलू उद्योग ने समूची क्षति अवधि में वित्तीय घाटा उठाया है। वर्ष 2007-08 तक लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ भी नकारात्मक/कम रहा है और वह जांच अवधि के दौरान सकारात्मक हो गया है।
- (ख) पीओसीएल3 के मामले में घरेलू उद्योग ने वित्तीय घाटा उठाया है, जिसमें वर्ष 2006-07 में वृद्धि हुई किंतु उसके बाद कमी आई है। परिणामतः लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ भी पूर्व में नकारात्मक रहा है परंतु वर्ष 2006-07 के बाद उसमें सुधार हुआ है। तथापि, क्षति अवधि की तुलना में पीओसीएल3 के संबंध में घरेलू बिक्री पर लाभ, नकद लाभ एवं लगाई गई पूंजी पर आय नकारात्मक बनी रही है।
- (ग) टीएमपी के मामले में क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग लाभ में रहा है। तथापि, लाभ में वृद्धि वर्ष 2006-07 तक हुई थी परंतु उसके बाद उसमें गिरावट आई। जांच अवधि के दौरान लाभ आधार वर्ष के स्तर से कम रहा था। लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद लाभ की स्थिति भी लाभ की प्रवृत्ति के अनुसार रही है।

मालसूची

औसत मालसूची	इकाई'	2005-06	2006-07	2007- 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08	अक्टू. 07 - दिसं., 08 (वार्षिकीकृत)
पीसीएल ₅	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	906	1022	224	224
पीओसीएल ₃	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	81	76	56	56
टीएमपी	मी.ट.	***	***	***	***	***
	मालसूची दिवसों की सं.	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध प्रवृत्ति	100	26	61	92	92

15.17 अलग-अलग यौगिकों की मालसूची के स्तरों के बारे में सूचना उपर्युक्त तालिका में निहित है । यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओसीएल₃ तथा टीएमपी की मालसूची के स्तरों में गिरावट आई है, जबकि पीसीएल₅ के मामले में इसमें वृद्धि हुई । ।

रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

15.18 चूंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद, बहु स्थानीय कंपनी है इसलिए रोजगार तथा मजदूरी एवं परिणामी उत्पादकता से पाटन के प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है ।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

15.19 चूंकि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद, बहु स्थानीय कंपनी है इसलिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता से पाटन के प्रतिकूल प्रभाव का पता नहीं चलता है ।

वृद्धि

15.20. यह देखा गया है कि पीसीएल 5 के मामले में उत्पादन, घरेलू बिक्री की मात्रा, बाजार हिस्से तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि नकारात्मक है, जबकि लाभ, निवेश से आय तथा नकद लाभ में वृद्धि सकारात्मक रही है। टी एम पी के मामले में उत्पादन, घरेलू बिक्री की मात्रा, क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश से आय तथा नकद लाभ नकारात्मक है। पीओसीएल 3 के मामले में क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों से संबंधित वृद्धि सकारात्मक है।

पाटन मार्जिन की मात्रा:

15.21 यह देखा गया है कि यूरोपीय संघ से आयातित पीओसीएल3 को छोड़कर संबद्ध वस्तु के संबंध में पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है।

वास्तविक क्षति के बारे में निष्कर्ष

पीसीएल5

16. यह देखा गया है कि घरेलू बिक्री, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। वर्ष 2007-08 में 7.40% के बाजार हिस्से के साथ चीन जन.गण. से पीसीएल5 का आयात शुरू हुआ था जो जांच अवधि में काफी अधिक बढ़कर 59.05% हो गया। यद्यपि, चीन जन.गण. के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2005-06 में 53.48% से घटकर वर्ष 2007-08 में 50.15% और जांच अवधि में 21.48% हो गया है। अतः पीसीएल 5 के मामले में मात्रात्मक प्रभाव प्रतिकूल रहा है।

16.1 जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग, घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोत्तरी करने में समर्थ रहा है और इस प्रकार किसी कीमत ह्रास का पता नहीं चलता है। परंतु, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीसीएल5 के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है। क्षति अवधि की तुलना में जहां पीसीएल5 के संबंध में लाभप्रदता में सुधार हुआ है, वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षतिरहित कीमत से कम रही है। इस प्रकार पीसीएल 5 के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में न केवल कटौती हो रही है बल्कि कम कीमत पर बिक्री भी हुई है।

16.2 यह देखा गया है कि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है। तथापि, जांच अवधि से पूर्व की क्षति अवधि में आयातों की कम मात्रा को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि जांच अवधि से पूर्व यह घाटा आयातों के कारण हुआ था। लेकिन यह भी देखा जाता है कि जांच अवधि के दौरान पाटित कीमतों पर पर्याप्त आयात हुए हैं जिससे आयातों की तुलना में बाजार हिस्से में भारी नुकसान हुआ है।

पीओसीएल3

17. संबद्ध देशों से पीसीओएल3 के आयात जांच अवधि में शुरू हुए थे और उन्होंने जांच अवधि के दौरान पर्याप्त बाजार हिस्सा हासिल कर लिया था। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई परंतु यह आधार वर्ष के हिस्से से

अधिक बना रहा। पीओसीएल3 के उत्पादन में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई परंतु तत्पश्चात जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई। अतः क्षति अवधि के दौरान कोई प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव नहीं गया।

17.1 जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग, घरेलू बिक्री कीमत में बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोत्तरी करने में समर्थ रहा है और इस प्रकार किसी कीमत ह्रास का पता नहीं चलता है। आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है। तथापि, आयातों की मात्रा केवल जांच अवधि में ही शुरू हुई है और यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2005-06 से वित्तीय घाटा शुरू हुआ है जिसमें वर्ष 2006-07 में वृद्धि हुई है जब जांच अवधि से पूर्व कोई आयात नहीं हुआ था। स्पष्टतः आयातों के बिना भी घरेलू उद्योग का प्रतिकूल निष्पादन विद्यमान था। यह प्रदर्शित नहीं किया गया है कि प्रतिकूल निष्पादन का कारण संबद्ध वस्तु के आयातों को माना जा सकता है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में नकारात्मक पाटन मार्जिन देखा गया है।

टीएमपी

18. टीएमपी के मामले में जांच अवधि के दौरान, चीन के उत्पाद के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। तथापि, इसी समय घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भी वृद्धि हुई है। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में उत्पादन में वृद्धि हुई है लेकिन वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 की तुलना में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट को छोड़कर क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। इस प्रकार टीएमपी के संबंध में कोई प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव नहीं देखा गया है।

18.1 घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान लाभ कमा रहा था, परंतु आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसमें भारी गिरावट आ गई। निवेश पर आय एवं नकद लाभ के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भी गिरावट आई। यह भी देखा गया है कि बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं हुई है जिससे पर्याप्त कीमत ह्रास हुआ है। इसके अलावा, टीएमपी के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है। इस प्रकार चीन जन.गण. से टीएमपी के पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव प्रतिकूल रहा है।

18.2 प्रस्तुत मामले में दिनांक 18 अगस्त, 2009 के प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा चीन जन.गण. से टीएमपी के आयातों के संबंध में अन्य बातों के साथ नकारात्मक क्षति मार्जिन का उल्लेख किया गया था। तथापि, उक्त क्षति मार्जिन उस गणना पर आधारित थी, जिसमें 10% की दर से लागू सीमाशुल्क पर विचार किया गया था। तथापि, तदनंतर यह ज्ञात हुआ था कि दिनांक 1 मार्च, 2007 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 20 द्वारा यह सीमाशुल्क घटाकर 7.5% कर दिया गया था। अतः प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन गणना को संशोधित किया गया है।

निष्कर्ष

19. रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के अनुसार प्राधिकारी का यह यह अभिमत है कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक एवं संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि पीसीएल5 एवं टीएमपी के आयातों के मामले में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ. कारणात्मक संबंध

कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क प्रस्तुत किया है कि पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव है ।

प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के मुद्दों की जांच निम्नानुसार की है :-

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह प्रदर्शित नहीं किया गया है कि पीओसीएल 3 के मामले में घरेलू उद्योग के निराशाजनक कार्य निष्पादन का कारण संबद्ध वस्तुओं के आयातों को माना जा सकता है । इस बात की भी जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य मापदंडों से पीसीएल5 के मामले में घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । जहां केवल यह देखा गया है कि इससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । इस संबंध में निम्नानुसार पाया गया है:

(क) तीसरे देशों से आयात :- हांगकांग से सूचित पीसीएल 5 के आयातों के मामले में आवेदक ने यह दावा किया है कि ये चीन की सामग्री के केवल यानांतरण हैं और यह कि हांगकांग में इन उत्पादों की कोई उत्पादन क्षमता नहीं है । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आवेदक के इस दावे का खंडन नहीं किया है । यद्यपि, संबद्ध वस्तु का अन्य देशों से आयात किया जा रहा है तथापि, ये आयात न्यूनतम स्तर से कम हैं । जहां तक टीएमपी का संबंध है, यह देखा गया है कि चीन जन.गण. को छोड़कर किसी अन्य देश से टीएमपी का कोई आयात नहीं किया गया ।

(ख) मांग में कमी:- यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में पीसीएल5 की मांग में वृद्धि हुई है । जहां तक टीएमपी का संबंध है, यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में इसकी मांग में वृद्धि हुई तथापि आधार वर्ष को छोड़कर अन्य वर्षों में इसमें गिरावट आई । यह भी नोट किया गया कि मांग में कमी के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में सुधार हुआ ।

(ग) खपत की पद्धति :- उत्पादों में से किसी की भी खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं देखा गया है ।

(घ) प्रतिस्पर्धा की स्थितियां :- आवेदक ने यह दावा किया है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के लिए जिम्मेवार नहीं है । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस दावे का खंडन नहीं किया है ।

(ङ) प्रौद्योगिकी विकास :- आवेदक ने दावा किया है कि प्रत्येक उत्पाद के संबंध में प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग द्वारा क्षति हो सकती हो । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस दावे का खंडन नहीं किया है ।

(च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन :- आवेदक के पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप हैं । तथापि, प्रत्येक उत्पाद के घरेलू प्रचालनों के बारे में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई गई है ।

(छ) उत्पादकता :- आवेदक ने दावा किया है कि प्रत्येक उत्पाद की उत्पादकता में परिवर्तन विचाराधीन उत्पाद के पाटन के परिणामस्वरूप हुए हैं । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस दावे का खंडन नहीं किया है ।

20.1 रिकॉर्ड में उपलब्ध सामग्री के अनुसार प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक तथा संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को पीसीएल5 एवं टीएमपी के मामले में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है ।

ज. शुल्क का प्रकार

21. कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क प्रस्तुत किया है कि इस बात को ध्यान में रखते हुए कि येलो फास्फोरस, जो पीसीएल 5 तथा टीएमपी के उत्पादन में कच्चा माल है, की कीमत में जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय घट-बढ़ हुई है, पीसीएल 5 तथा टीएमपी पर नियत शुल्क लगाना उचित नहीं है । आगे यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि ऐसे मामले में जहां लागत और कीमत में अत्यधिक अंतर हो, पाटनरोधी शुल्क यथामूल्य रूप में लगाना उचित है न कि नियत रूप में, क्योंकि पाटनरोधी शुल्क के यथामूल्य रूप में लागत, कीमतों एवं अबधि का विधिवत ध्यान रखा जाएगा और यह उच्च कीमत वाले उत्पाद के लिए अधिक तथा कम कीमत वाले उत्पाद के लिए कम होगा ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

21.1 प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के उस निवेदन पर विधिवत विचार किया है जिसमें पीसीएल 5 तथा टीएमपी पर पाटनरोधी शुल्क को नियत शुल्क के बजाए यथामूल्य रूप में लगाने का सुझाव दिया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि निविष्टि कीमतों में परिवर्तन के साथ जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की कीमतों में घट-बढ़ हुई है; तथापि, संबद्ध वस्तुएं लगभग समांगी उत्पाद हैं जिनके ग्रेडों/किस्मों में बहुत कम अथवा कोई परिवर्तन नहीं होता । चीन के प्रतिवादियों ने भी अपने निवेदन में यह कहा है कि निर्यातक देश में बेचे गए उत्पादों और भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है । इसके अलावा, यथामूल्य आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटनरोधी शुल्क की प्रभारित मात्रा उच्चतर होगी जिससे संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में संभावित वृद्धि होगी जो वांछनीय नहीं होगी ।

झ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है ।

पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

22.1 प्राधिकारी द्वारा यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

ज. सिफारिशें

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा क्षति के खतरे की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि प्रस्तुत मामले में पाटन एवं क्षति को निष्प्रभावी करने के लिए निश्चयात्मक शुल्क लगाना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और चीन जन.गण. से पीसीएल 5 तथा टीएमपी के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

23.1 प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीसीएल 5 एवं टीएमपी के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाती है ।

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28121022	फॉस्फोरस पेंटाक्लोराइड (पीसीएल 5)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जुझाऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि.	मै. चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कारपोरेशन	0.467	प्रति किलो.	अम.डॉ.

2.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जुझोऊ जियानपिंग केमिकल कं. लि.	मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन	0.574	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
3.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र.सं. 1 और 2 को छोड़कर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.777	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
4.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	0.777	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
5.	-वही-	-वही-	कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.777	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
6.	29209041	त्रिमियाइल फॉस्फेट (टीएमपी)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. लुओहे हुईपु केमिस्ट्री इंडस्ट्री फैक्ट्री	मै. सिनोकेम इंटरनेशनल कार्पोरेशन	0.008	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
7.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. सेनकाइटिंग केमिकल्स इंडस्ट्री एंड टैक्नोलॉजी कं. लि. एच.सी.	मै. चीन हाओहुआ केमिकल (ग्रुप) कार्पोरेशन	0.119	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
8.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र.सं. 6 और 7 को छोड़कर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		0.575	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
9.	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	0.575	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.
10.	-वही-	-वही-	कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.575	प्रति किग्रा.	अम.डॉ.

23.2 इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच नूतन सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8, 1, 9 तथा 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमाशुल्क शामिल होंगे।

23.3 उपर्युक्त के अध्यक्षीन प्राधिकारी दिनांक 18 अगस्त, 2009 के प्रारंभिक जांच परिणाम की पुष्टि करते हैं। तथापि, उपर्युक्त पैरा-8 में संस्तुत शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 (2) के अनुसार अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू होगा।

23.4 इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 2010

Subject : Anti-Dumping investigations concerning imports of 'Certain Phosphorous based chemical compounds' originating in or exported from China PR and European Union—Final Findings.

No. 14/3/2009-DGAD.— Whereas the Designated authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred

to as the AD Rules); recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on the imports of 'Certain Phosphorous based chemical compounds' (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR & European Union (hereinafter also referred to as the subject countries);

A. Background of the Case

2. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) received a written application from the Association of Small & Medium Chemical Manufacturers (ASMECHEM), Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Certain Phosphorous based chemical compounds' namely PCL₃, PCL₅, TMP and TPPI originating in or exported from China PR and POCL₃ originating in or exported from China PR and European Union.

3. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 13th February, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of subject goods originating in or exported from subject countries, in accordance with the sub-rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. The Authority recommended imposition of provisional Anti-Dumping duties concerning PCL₅ originating in or exported from China PR (falling under ITC HS sub-heading 28121022 vide its Preliminary findings Notification No 14/3/2009-DGAD dated 18th August 2009 and provisional anti dumping duty was imposed by the Govt. of India vide Notification No. 119/2009-Customs dated 16th October 2009.

B. PROCEDURE

5. In these proceedings, the procedure described herein below has been followed:

- i. The Authority notified the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 of the AD Rules;
- ii. The Authority sent a copy of initiation notification dated 13th February, 2009 to the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India, known exporters from subject countries, known importers/ users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- iii. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time constraints.
- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Chinese Embassy/ Office of Delegation of European Union in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
- v. The Chinese Embassy / Office of Delegation of European Union in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country/territory to respond to the questionnaire

within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.

- vi. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules.

Producers/Exporters in China PR

S.N.	Company's Name
1.	M/s Jiangsu Changyu Chemical Co. Ltd
2.	M/s Jiangsu Changyu Chemical Co. Ltd
3.	M/s Changzhou Cuiqiao Weixing Chemical Co., Ltd
4.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation
5.	M/s Jiangsu Jinmei International trade Co Ltd.
6.	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co.Ltd.
7.	M/s Shanghai Huayi Group Huayuan Chemical Industry Co Ltd
8.	M/s Shandong Dacheng Chemical Group

Producers/Exporters in European Union

S.N.	Company's Name
1.	M/s Thermphos International B.V.
2.	M/s Thermphos Deutschland GmbH
3.	M/s CHIMIE PLUS Laboratories
4.	M/s Agro-Chemie Kft
5.	M/s PCC Rokita SA
6.	M/s Chimcomplex S.A. Borzesti
7.	M/s Panreac Quimica S.A.
8.	M/s Pentagon Chemical Specialties Ltd.

M/s Thermphos International B.V. subsequently responded to the questionnaire

- vii. In response to the above notification, following exporters/producers have responded:

S.N.	Company's Name	Country	Status	Product
1.	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. – “Jiangping”	China PR	Producer	PCL3, PCL5, POCL3
2.	M/s Sancaitang Chemical Industry & Technology Co., Ltd. HB – “Sancaitang”	China PR	Producer	TMP
3.	M/s Luohe Huipu Chemistry Industry Factory – “Huipu”	China PR	Producer	TMP
4.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation – “Haohua”	China PR	Exporter	PCL3, PCL5, POCL3, TMP
5.	M/s Sinochem International Corporation – “Sinochem”	China PR	Exporter	PCL3, PCL5, POCL3, TMP

- viii. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules.

SN	Company' name	Product
1.	DCM Shriram Industries Ltd., New Delhi	PCL3
2.	Rencal Chemicals (I) Ltd., Vashi	
3.	SeQuent Scientific Limited, New Mangalore	
4.	Roopa Industries Ltd., Hyderabad	
5.	Penam Laboratories Limited, New Delhi	
6.	Dr. Reddy's Laboratories, Hyderabad	PCL5
7.	Unimark Remedies Ltd., Mumbai	PCL5, TMP, TPPI
8.	Hetero Drugs Ltd., Hyderabad	PCL5
9.	Vardhaman Chem Tech Ltd	PCL5
10.	KLJ Organics Ltd., New Delhi	POCL3
11.	Megafine Pharma (P) Ltd., Mumbai	
12.	Bilag Industries Ltd., Vapi	
13.	Hindustan Insecticides, New Delhi	TMP
14.	Insecticides India Ltd., New Delhi	
15.	Dhanuka Laboratories Ltd., Gurgaon	TPPI

- ix. In response thereof, following have responded:
- M/s Roopa Industries Limited, Hyderabad has filed their importer's questionnaire providing details of the imports of the subject goods by them.
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xi. The Authority recommended imposition of provisional Anti-Dumping duties concerning PCL₅ originating in or exported from China PR vide its Preliminary findings Notification No 14/3/2009-DGAD dated 18th August 2009 and provisional anti dumping duty was imposed by the Govt. of India vide Notification No. 119/2009-Customs dated 16th October 2009.
- xii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 11th December 2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in the final findings.
- xiii. The verification of the domestic industry's and exporter's information & data, to the extent deemed necessary, was conducted.
- xiv. In accordance with the Rule 16 of the AD Rules, the essential facts under consideration before the Authority in the instant matter were disclosed to the known interested parties. The comments received on this disclosure statement to the extent deemed relevant have been duly considered in these final findings.

- xv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xvi. Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2007 to 31st December 2008. The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the Period of Investigation (POI).
- xvii. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

Submissions made by the Applicant on behalf of the domestic industry

The petitioner withdraws the petition in response of PCL₃ and TPPI. However, the Authority should consider imposition of anti-dumping duties in respect of POCL₃ and TMP.

C. Products under Consideration and Domestic Like Articles

6. The investigations were conducted in respect of products under consideration viz. 'Certain Phosphorous based chemical compounds', namely

- (1) Phosphorous trichloride (PCL₃)
- (2) Phosphorous pentachloride (PCL₅)
- (3) Phosphorous oxychloride (POCL₃)
- (4) Triphenyl phosphite (TPPI)
- (5) Trimethyl phosphite (TMP)

- 6.1 However, the Authority notes that the Domestic industry vide their letter dated 11th January, 2010 has withdrawn their application in respect of Phosphorous trichloride (PCL₃) and Triphenyl phosphite (TPPI). Therefore, the Authority hereby terminates the investigations in respect of these two products in terms of Rule 14 of the AD Rules. Thus, further investigations are restricted to 'Certain Phosphorous based chemical compounds', namely

- (1) Phosphorous pentachloride (PCL₅)
- (2) Phosphorous oxychloride (POCL₃) and
- (3) Trimethyl phosphite (TMP)

- 6.2 The applicant has stated that these products have the following synonyms as tabulated:

Product name	Synonym name
Phosphorus Oxychloride (POCL ₃)	Phosphoryl chloride
Phosphorus Pentachloride (PCL ₅)	Phosphorus(V) chloride
Trimethyl Phosphite (TMP)	Phosphorus acid trimethyl ester, Phosphonic acid trimethyl ester, Methyl Phosphite

- 6.3 PCL_5 and $POCl_3$ are inorganic chemicals, classifiable under Chapter 28, whereas, TMP is an organic chemical, classifiable under Chapter 29. Customs classification of each of the subject goods is as follows:

Subject Product	Customs Classification
PCL_5	28121022
$POCl_3$	28121030
TMP	29209041

- 6.4 The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations. The products under consideration are used in production of various pesticides, insecticides and pharmaceuticals.

- 6.5 With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

- 6.6 With regard to the possible difference between the each of the products sold by the exporters in the Indian market and each of the respective products sold by the domestic industry, the Authority notes that there is no dispute by the exporters that there is any difference in the two products. After considering the information on record, the Authority notes that there is no known difference in each of products under consideration exported from subject country (ies) and the respective products produced by the Indian industry. Each of the products under consideration produced by the domestic industry are comparable to the respective imported subject products in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any issue in this regard.
- 6.7 Thus, the Authority is of the view that each of the products under consideration produced by the domestic industry is like article to the respective subject product under consideration from subject country (ies) in accordance with the AD Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by the domestic industry

The following submissions have been made in response to the Disclosure statement:

- **Withdrawal of support by Pharma Chemicals** – It has been contended by the domestic industry that they are surprised on the withdrawal of support by Pharma Chemicals Industries and that the reasons given by Pharma Chemicals are totally unjustified. The dumping triggered earlier has not ceased.
- **Monopoly position** – It has been contended by the domestic industry that the argument deserves to be rejected in the light of established legal position. As the Designated Authority has repeatedly held, imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

Examination by the Authority

7. At the time of the initiation of this investigation, Rule 2(b) of the AD Rules defined 'domestic industry' as under:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".

- 7.1 However, Rule 2(b) of the AD Rules has recently been amended to read as follows:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"

- 7.2 The Application has been filed by Association of Small & Medium Chemical Manufacturers (ASMECHEM), Mumbai on behalf of the domestic industry. M/s. United

Phosphorus Limited has provided injury information, whereas M/s. Punjab Chemicals and Crop Protection Ltd, M/s. Sandhya Industrial Chemicals, M/s. Sandhya Dyes & Chemicals, M/s. S.M. Chemicals, M/s. Excel Industries Limited, M/s. Cheminova India Ltd and M/s. Pharma Chemicals Industries had supported the application.

- 7.3 Subsequently, M/s. Pharma Chemicals Industries, Mumbai vide their letter 3rd August, 2009 has withdrawn their support for the application, *inter alia*, stating that the support for antidumping tariffs for Phosphorus Pentachloride were proposed by them as Yellow Phosphorus prices had increased to 300% before China Olympics by China PR manufacturers because of export duty of 120% levied by the Chinese Government but now the export duty has been brought back to 20% by China PR effective July 2009 and prices of yellow phosphorus has come to the normal i.e. US\$ 2300 per MT. Thus, the price benefits from imported material are no more because the company's phosphorus prices have also come down drastically and they can compete with the imported phosphorus pentachloride prices.
- 7.4 It has been further stated that there are just 2 manufacturers of Phosphorus Pentachloride in India i.e. Pharma Chemical Industries and United Phosphorus Limited. This can lead to monopolistic environment in terms of pricing and supply. Besides, the production and other manufacturer capacity of producers of phosphorus Pentachloride are not enough to fulfill the requirements/demand of the actual consumers of the product who are mostly pharmaceutical companies manufacturing life saving drugs.

Examination by the Authority

- 7.5 The Authority has taken note of the withdrawal of the support to the application by M/s. Pharma Chemicals Industries, Mumbai. The Authority notes that withdrawal of support by this company does not vitiate the standing of the applicant to maintain the present application for each of the products under consideration. As per the AD Rules, the application continues to hold support of more than 50% of portion of the domestic producers expressing either support for or opposition to the application for each of the products. The domestic producers expressly supporting the application account for more than 25% of the production for each of the products by the domestic industry. The Authority further notes that the production of United Phosphorus constitutes a major proportion in Indian production for each of the products under consideration.
- 7.6 The Authority notes that (a) production of each of the subject goods by M/s. United Phosphorus Limited constitute a major proportion of the Indian production (b) Production of each of the subject goods by M/s. United Phosphorus Limited along with that of the supporters constitute more than 50% of portion of the domestic producers expressing either support for or opposition to the application for each of the products; (c) and that the domestic producers expressly supporting the application account for more than 25% of the production for each of the products produced by the Indian domestic producers. Thus, the application has been made by or on behalf of the domestic industry in terms of the AD Rules. Further, M/s United Phosphorus Limited constitutes domestic industry for

each of the products under consideration within the meaning of the Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value in respect of producers/exporters from China PR

8. The Authority sent questionnaires to the known exporters from China PR, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Responses to the questionnaires have been filed by the following producers/exporters from China PR:

S.N. Name

1. M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.
2. M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory
3. M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation
4. M/s Sancitang Industry and technology Co. Ltd. HB
5. M/s Sinochem International Corporation

Submissions made by Chinese exporters/producers

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.

- 8.1 It has been stated that M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Jianping sells the product concerned to two Chinese trading companies named China Haohua Chemical (Group) Corporation (Haohua) and Sinochem International Corporation (Sinochem). Then Haohua and Sinochem resell (export) the products to India. M/s Jianping is the producer & supplier and M/s Haohua and M/s Sinochem are the exporters. They are not related to each other. M/s Jianping along with M/s Haohua and M/s Sinochem have responded to the questionnaire. M/s Jianping only produces PCL₅, POCL₃ and does not produce TMP. So the response refers to PCL₅ and POCL₃ only.

- 8.1.1 It has been stated that there is no variation between the products under consideration in the country of export and the products under consideration exported to India. All the materials and relevant inputs are purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.

M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory

- 8.2 It has been stated that M/s Luohe Huipu Chemistry Industry Factory (Huipu) is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter. M/s Huipu sells the product concerned to one Chinese trading company named M/s Sinochem International Corporation (Sinochem). Then Sinochem resells (exports) the product to India. M/s Huipu is the producer and supplier, whereas M/s Sinochem is the exporter. The two are not related.

- 8.2.1 M/s Huipu only produces TMP, and sells TMP in domestic market, and sells TMP to India through M/s Sinochem. So the response refers to TMP only. It has been stated that there is no variation between the product sold in the country of export and the product under consideration exported to India.
- 8.2.2 The assets used to produce TMP were purchased by the shareholder in 2004 from Yancheng Chemical Factory which was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made during the course of purchase of the assets. All the materials and relevant inputs are purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.

M/s Sinochem International Corporation

- 8.3 It has been stated that M/s Sinochem International Corporation is the exporter/trader of the products concerned, but is not the producer of the products concerned. M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) and Luohe Huipu Chemistry Industry Factory (Huipu) are the suppliers of M/s Sinochem.
- 8.3.1 All of the PCL_5 and $POCL_3$ exported to India during the POI were supplied by M/s Jianping. All of the TMP exported to India during the POI was supplied by M/s Huipu. M/s Jianping and M/s Huipu have responded the questionnaire. M/s Jianping, M/s Huipu and M/s Sinochem are not affiliated. However, M/s Sinochem only exported PCL_5 , $POCL_3$ and TMP to India during the POI. So in this questionnaire response, the products concerned refer to PCL_5 , $POCL_3$ and TMP.
- 8.3.2 It has been stated that the subject goods sold in domestic market by M/s Jianping and M/s Huipu are identical in physical/ technical / chemical characteristics with those exported to India by M/s Sinochem. M/s Sinochem is the subsidiary of M/s Sinochem Corporation, which is 100% owned by the State-owned Assets Supervision and Administration Commission of the State Council of China PR.

M/s Sancaitang Chemical Industry and Technology Co. Ltd. HB

- 8.4 It has been stated that M/s Sancaitang is a producer and domestic seller of the product concerned, but is not an exporter of the subject goods. M/s Sancaitang sells the product concerned to one Chinese trading company named China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua"). Then Haohua resells (exports) the products to India or other countries. Thus, M/s Sancaitang is the producer and Haohua is the exporter. The two are not related. Both Sancaitang and Haohua have responded to the questionnaire. Sancaitang only sells TMP to India through Haohua, so the questionnaire response refers to TMP only.
- 8.4.1 It has been stated that there is no variation between the product sold in the country of export and the product under consideration exported to India. The assets used to produce TMP were purchased by the shareholders in 2004 from Jingzhou Additive Factory, which

was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made during the course of purchase of the assets. All the materials and relevant inputs are purchased locally, including from State owned company.

M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation

8.5 It has been stated that M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation (hereinafter referred to as "Haohua" or "the Company") is the exporter/trader of the product concerned, but is not the producer of the product concerned. M/s Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd. (Jianping) and M/s Sancaitang Chemical Industry and Technology Co., Ltd. HB (Sancaitang) are the suppliers of M/s Haohua. All of the PCL_5 and $POCL_3$ exported to India during the POI were supplied by M/s Jianping; whereas all of the TMP exported to India during the POI was supplied by M/s Sancaitang. They are not affiliated to each other.

8.5.1 M/s Haohua only exported PCL_5 , $POCL_3$ and TMP to India during the POI. So the response refers to PCL_5 , $POCL_3$ and TMP. It has been stated that there is no variation between the products sold in the country of export and the products under consideration exported to India.

8.5.2 M/s Haohua is 100% owned by China National Chemical Corporation which is a State-owned company.

Submissions of the domestic industry

9. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non market economy country, *inter alia*, stating that:

Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It has been contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.

- **Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values:** It has been contended by the Domestic industry that "substantially reflect market values" has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.

- **Major inputs include utilities:** It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
- **Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:** It has been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law. The European Commission has held that the requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report. To quote the European Commission, reliability of the accounts is not established with regard to this aspect unless the books are consistent with International Accounting Standards.
- **Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:** It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
- **Onus/obligations:** It has been contended by the Domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- **Transformation:** It has been contended by the Domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

It has been contended by the Domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters, is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

Examination of Market Economy claims by the Authority

- 9.1 The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.
- 9.2 As per Paragraph 8 of Annexure I to the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s)/producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 9.3 The Authority notes that the Chinese exporters/producers have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the respondents have been examined for determination of Normal value of the respondents of the subject goods from the subject country as follows:
- 9.4 The Authority notes that during the Exporter's verification of M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd conducted by the Authority at the company's premises, the claim of Market Economy Treatment was not pressed by the company. The company, *inter alia*, expressed its inability to produce relevant documents relating to market economy treatment claim and thus was unable to rebut the NME presumption. The company provided a declaration to this effect on the occasion.

- 9.5 The Authority conducted producers/exporters' verification to the extent deemed necessary; the verification was conducted in respect of M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd., M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation and M/s Sinochem International Corporation. The Authority notes that M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation is 100% owned by China National Chemical Corporation which is a State-owned company. As regards M/s Sancitang Chemical Industry and Technology Co., Ltd., the Authority notes that the assets used to produce TMP were purchased by the company in 2004 from Jingzhou Additive Factory which was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made by the company during the course of purchase of the assets. Besides, it is noted that all the materials and relevant inputs were purchased locally, including from State owned companies. The Authority notes that M/s Sinochem International Corporation is the subsidiary of M/s Sinochem Corporation, which 100% is owned by the State-owned Assets Supervision and Administration Commission of the State Council of China PR. As regards M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory, the Authority notes that the assets used by the company to produce TMP were purchased by the company in 2004 from Yancheng Chemical Factory which was an insolvent State-owned enterprise. There was no assets evaluation report made by the company during the course of purchase of the assets. All the materials and relevant inputs were purchased locally from several suppliers, including from State owned companies.
- 9.6 Thus, in a situation where the company is a State owned/controiled entity, possibilities of State interference cannot be ruled out. Further, the responding Chinese producers have not provided any evidence to establish that prices of basic inputs substantially reflect market values, particularly in the context that some inputs have also been procured from State-owned companies. The producers have named the raw materials suppliers and identified their legal status, some of which are State-owned. The respondents have not provided any evidence to establish that the inputs have been procured at prevailing international prices. Besides, it is also seen that in some cases, assets used to produce the products were acquired from insolvent State-owned enterprises. Thus, the Authority is unable to grant market economy treatment to the responding Chinese producers and exporters.
- 9.7 It is also noted that no questionnaire responses have been filed by entities other than the Chinese producers /exporters specified above.
- 9.8 In view of the above, considering issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the enterprise etc. the Authority is of the view that the producers/exporters from China PR cannot be granted market economy status for the determination of their Normal Value.
- 9.8 Considering the Chinese producers as non-market economy companies, the Authority has determined Normal values for the products that are like articles to the exported products. No difference has been claimed between the products sold by the exporters in their domestic market and the products exported by them to India.

Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters/Producers

10.1 As noted above, there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from the subject country. Therefore, the Authority has estimated the Normal value in China on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

10.2 Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

10.3 The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant has claimed that China PR should be treated as Non Market Economy and therefore Normal value in case of China PR should be determined in accordance with Para 7 and 8 of Annex-I of the Rules. The applicant has submitted that India can be considered as an appropriate market economy third country for determination of normal value in China PR, pleading that information for market economy third country is not available to them. This claim has not been contested by any other interested party.

10.3.1 In view of significant changes in the price of inputs within the period of investigation; the price of yellow phosphorus (a major input to manufacture the subject goods) at the time of exports has been considered on a monthly basis.

10.4 The Authority has noted that no difference has been claimed by any producer/exporter regarding the products under consideration that have been sold to India and like articles that have been sold in their domestic market. Therefore, the Authority has determined the normal value in China PR on available reasonable basis, in terms of second proviso of para 7 of Annexure I to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the products under consideration have been determined based on costs of production in India, duly adjusted. Since the exporters have not established any difference in the characteristics of the products under consideration exported to India and goods sold by the domestic industry, the Normal Values have been constructed taking into account international price of major inputs, consumption norms of the responding exporters;

conversion costs and SGA expenses of the domestic industry duly adjusted and a reasonable profit margin of 5% for PCL₅, POCL₃ & TMP.

Normal Value in respect of producers/exporters from European Union

- 11.1. M/s ThermPhos International B.V. from Netherlands did not file the questionnaire response by the stipulated period but responded to the initiation notification, *inter alia*, stating that the fundamentals are missing to accuse Europe of dumping of POCL₃. They have contended that the volumes from Europe are minuscule and that they are not dumping the product under consideration.

Examination by the Authority

- 11.2 The Authority notes that as per the data available on record, the volume of imports of the subject goods are more than the prescribed limits laid down under the AD Rules.
- 11.3 In respect of European Union, selling price in EU was looked into for determination of the Normal value. This selling price in EU was claimed by the Applicant on the basis of price at which an importer/ consumer in EU has imported the product. Alternatively, the Normal value in EU has also been determined on the basis of constructed value, considering estimates of cost of production, duly adjusted, to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. However, the latter determination of Normal Value works out as lower than that determined on the basis of the selling price in EU and the same has been adopted for POCL₃ in case of EU.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

- 11.4 Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from the subject countries; the Authority has determined their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.

EXPORT PRICE

Export Price in respect of Co-operative Exporters/Producers

12. The Authority has considered all exports made by the responding exporters for determination of export price for each of the products under consideration as per their submissions.

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation (Haohua) (Exporter)

- 12.1 M/s Jianping is a Chinese producer of PCL₅ and POCL₃ but the company does not directly export PCL₅ and POCL₃ to India and sells the product concerned to

unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation (Haohua) and then M/s Haohua exports the products to India.

- 12.1.1 The Authority examined whether the export prices in respect of respondents could be determined on the basis of questionnaire responses filed by them. Separate weighted average export price to India has been determined for each of the subject goods exported. The adjustments have been made on account of ocean freight, overseas insurance, bank charges, VAT, handling charges and credit costs as claimed by the exporter and packing costs as claimed by the producer and verified by the Authority.

M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s Sinochem International Corporation (Sinochem) (Exporter).

- 12.2 M/s Jianping is a Chinese producer of PCL_5 and $POCl_3$ but the company does not directly export PCL_5 and $POCl_3$ to India and sells the products concerned to unrelated Chinese trading companies, one of which is M/s Sinochem International Corporation (Sinochem). M/s Sinochem then exports these products to India.

- 12.2.1 The Authority examined whether the export prices in respect of respondents could be determined on the basis of questionnaire responses filed by them. Separate weighted average export price to India has been determined for each of the subject goods exported. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, bank charges, VAT, handling charges and credit costs as claimed by the exporter and packing costs as claimed by the producer and verified by the Authority.

M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory (Producer) through M/s Sinochem International Corporation (Exporter)

- 12.3 M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory (Huipu) is a Chinese producer of TMP but the company does not directly export TMP to India and has sold the product concerned to an unrelated Chinese trading company namely M/s Sinochem International Corporation (Sinochem). M/s Sinochem has then exported the product to India.

- 12.3.1 The Authority examined whether the export prices in respect of respondents could be determined on the basis of questionnaire responses filed by them. Separate weighted average export price to India has been determined for subject goods exported. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, bank charges, VAT, handling charges, and credit costs as claimed by the exporter and verified by the Authority and packing as claimed by the producer.

M/s Sancitang Industry and technology Co. Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter)

- 12.4 M/s Sancitang Industry and technology Co. Ltd is a Chinese producer of TMP but the company does not directly export TMP to India and has sold the product concerned to an

unrelated Chinese trading company namely M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter). M/s Haohua then has exported the product to India.

- 12.4.1 The Authority examined whether the export prices in respect of respondents could be determined on the basis of questionnaire responses filed by them. Separate weighted average export price to India has been determined for subject goods exported. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, bank charges, VAT, handling charges and credit costs as claimed by the exporter and verified by the Authority and packing costs and credit costs as claimed by the producer.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

- 12.5 Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from the subject countries; the Authority has determined their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative respondents.

DUMPING MARGIN:

13. Considering the Normal values and Export prices as determined above separately for each of the products subject to investigation, the dumping margins have been determined as follows:

Producer/Exporter From China PR	Country	Product	Dumping Margin US\$ per Kg	Dumping Margin as %
M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation ("Haohua") (Exporter)	China PR			
		PCL ₅	***	58.94%
		POCL ₃	***	46.34%
M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd. (Producer) through M/s Sinochem International Corporation ("Sinochem") (Exporter).	China PR			
		PCL ₅	***	63.56%
		POCL ₃	***	54.74%
M/s Luohe Huipu Chemistry Industry factory (Producer) through M/s Sinochem International Corporation (Exporter)	China PR	TMP	***	23.17%

M/s Sancitang Industry and technology Co.Ltd. (Producer) through M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation, (Exporter)	China PR	TMP	***	23.98%
All Other producers / exporters except specified in the above table	China PR	PCL ₅	***	68.96%
		POCL ₃	***	135.23%
		TMP	***	52.69%
All Producers/Exporters	European Union	POCL ₃	***	Negative

Since the dumping margin in respect of imports from European Union is de-minimis, the Authority has terminated the investigation in respect of European Union.

F. Injury

Submissions made by interested parties

14. M/s Roopa Industries Limited, Hyderabad has, *inter alia*, stated that:

- That they are manufacturers of Triphenylphosphine with Phosphorus Trichloride (PCL₃) as key raw material and are facing heavy competition from China and European Union from where, Triphenylphosphine is being imported by Indian industry. For want of orders, though there is regular domestic demand, they had been forced to stop their manufacturing activity and suffer burden of overheads etc. for a few months intermittently in a year. This is because the import price is much less very often, than their price, though reasonably fixed.
- That the domestic consumption of their product is more than their production capacity and they should be expanding to meet the demand, if they could realize reasonable sale price but, the scenario is the other way round. They are not able to utilize even their current production capacity monthly regularly.
- Since April 2008, month after month, the two indigenous sources from whom they had been sourcing their requirements had increased the price of Phosphorus Tri Chloride, attributing to steep escalation of import price of Phosphorus. The price of Phosphorus Tri Chloride, went up to Rs. 217/- per kg. adversely impacting the viability of their activity. Moreover, the suppliers were not committing their requirements / schedules.
- Further, the suppliers themselves were also captive consumers of Phosphorus Tri Chloride for the other compounds and obviously, they would have considered value addition in the interest of their business activity. They have an edge over them, being captive consumers of their own Phosphorus Tri Chloride.

- They were forced to reduce their production for few months substantially and even stop the activity for few months, during the period of the steep increase in the price of Phosphorus Tri Chloride, because it was not viable at that input cost and because they could not offer their finished product to their clients, in comparison with the import price. The viability to manufacture Tri Phenyl Phosphine was affected.
- That the consumption of Phosphorus is below 0.27 Kg for 1.0 kg of manufacture of PCL3 and the rest of it is Chlorine, which is locally available and is of very low price varying between free of cost to a maximum of Rs.9000/- PMT. Even if the import price of Phosphorus had doubled, the price the manufacturers had offered, at the time they were forced to import Phosphorous Trichloride, was around three times the immediately preceding offer/transaction. For illustration, let us take the current import price of Phosphorous and the domestic offers of Chlorine and PCL3 and verify the justification to increase the price of PCL3 to three times, assuming that the import price of Phosphorous goes up also to three times.

Submissions made by China Haohua Chemical (Group) Corporation, China PR, Sinochem International Corporation, China PR and Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd., China PR

14.1 Above-mentioned Chinese respondents have, *inter alia*, made the following submissions:

- The Authority should disclose calculations of dumping margin.
- Yellow phosphorus consumed by the domestic industry is imported from China PR, where it is already subjected to heavy export duty in China.
- Chinese exporters of yellow Phosphorus do not have to bear Chinese customs duty, overseas freight and overseas insurance. However, Indian domestic industry has to bear these costs (& other costs also) when yellow phosphorus is imported from China. Such difference should be excluded so as to ensure a fair comparison of the export price and normal value.
- The injury margin should also be calculated on monthly basis and then averaged for POI.
- Authority policy of allowing 22% return on capital employed is incorrect.
- During 2005-06 and 2006-07 there were nil imports of PCL5 and during 2007-08 there were very small imports of PCL5. Therefore injury to domestic industry during these years cannot be attributed to increased imports.

- Imports data and trends of profitability of the Domestic Industry clearly show that with increase in imports the losses of the Domestic Industry have drastically come down.
- Since Authority has observed that there is no price depression, it is clear that domestic industry is suffering from various other factors and attributing the same to imports is incorrect.
- Authority's findings of injury are based on increase in volume of imports and decline in market share. This alone cannot be the deciding factor for concluding injury.
- The drastic increase of the customs duty for exports of yellow phosphorus in China by 100% since May 20, 2008 led to the high cost of yellow phosphorus imported by Indian producers from China, which made the Indian users of PCL5 turn to imports of PCL5 from China. The raw material disadvantage of Indian producers should not be attributed to the alleged dumping of PCL5 from China.
- Chinese Government does not encourage exports of yellow phosphorus. The customs duty for exports of yellow phosphorus has been around 80% to 120%, whereas there is no customs duty for exports of the product from China. So the best choice for India is to import the product rather than producing in India.

Submissions made by the Applicant on behalf of the domestic industry

14.2 The domestic industry has, *inter alia*, made the following submissions:

- Injury to the domestic industry in case of POCL_3 is clearly established, if production of domestic producers as a whole is considered.
- Selling price of the products changed significantly within the investigation period. It first increased and thereafter declined significantly. The profitability of the domestic industry therefore showed improvement in the investigation period. However, the domestic industry has once again suffered significant deterioration in profitability towards the end of the investigation period.
- Since price of the product increased significantly with reference to different time period, the Authority may consider determining dumping and injury by considering only beginning and end of investigation period.
- Domestic industry has suffered injury in PCL_5 , POCL_3 and TMP, as is established by the followings

PCL₅ - The petitioner submits that performance of the domestic industry has deteriorated during the period of investigation in terms of domestic sales, production and capacity utilization. The imports of PCL₅ started from China PR in 2007-08 with a market share of 7.40% that increased significantly to 59.05% in the period of investigation. While the market share of China PR increased and that of domestic producers as a whole declined significantly from 98.54% in 2005-06 to 92.60% in 2007-08 and 36.47% in the period of investigation. Hence, the volume effect has been adverse in the case of PCL₅. As regards price effect, it is submitted that the imports of the PCL₅ are significantly undercutting the prices of the domestic industry. While the profitability in respect of PCL₅ improved over the injury period but the selling price of domestic industry remained significantly low.

POCL₃ - The imports of POCL₃ from the subject countries commenced in the period of investigation and acquired a significant market share during the period of investigation. The market share of domestic producers as a whole declined significantly during POI. The production and capacity utilization during the period of investigation declined as against the previous year but were higher when compared with 2005-06 and 2006-07. As regards price effect, it is submitted that though the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales; the landed price of imports is significantly below the selling prices of the domestic industry.

TMP - In case of TMP, the imports of the Chinese product showed a significant increase in market share during the POI whereas, the market share of the domestic producers as a whole declined. Production has increased as compared to immediate preceding year; however, it declined when compared to 2005-06 & 2006-07. The domestic sales have gone up during the injury period. The domestic industry was making profits throughout the injury period but the same has significantly declined during the POI as compared to the base year. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. It is further submitted that the selling price has not increased in line with increase in the cost of sales, thereby causing significant price suppression. Besides, the imports of TMP are significantly undercutting the prices of the domestic industry.

14.3 Examination by the Authority

- The Authority has disclosed calculations of dumping margin to the interested parties in accordance with Rule 16 of the AD Rules in the disclosure statement.

- The fact that Govt. of China PR has imposed export duty on the raw material is not relevant for the present purpose. Under the Rules, Chinese exporters were required to establish that they are operating under market conditions. Since none of the Chinese exporters have been able to establish market economy status, the normal value is determined on the basis of rules laid down under Para 7 of Annexure-I of the AD Rules. None of these provisions under Para 7 provides for adopting Chinese costs or prices, either in respect of raw materials or the product themselves. In view of the facts available on record, the Authority has considered international prices of Yellow Phosphorus for the purpose of determining normal value, which is fully consistent with the Rules on the subject.
- The Authority has determined injury margin after determining month-wise non-injurious price and landed price of import. Weighted average injury margin has been determined after considering the associated weights of exports made in each month of the POI.
- As regards return on capital employed for the purpose of determination of non-injurious price, the Authority has applied its consisting practice. While advancing this argument, the Chinese respondents have not substantiated the same establishing that the application of such consistent practice was inappropriate in the present case.
- The Authority has taken note of the arguments with regard to fact that no imports of PCL₅ in 2005-06 and 2006-07 were made from China PR. The Authority has taken due cognizance of this fact while assessing injury to the domestic industry.
- As regards improvement in profitability of the domestic industry during the period of investigation, the Authority notes that the statement of month-wise sales realization provided by the domestic industry, which shows significant increase in the selling prices and thereafter significant decline towards the end of the period of investigation.
- As regards the argument that import volumes & market share alone cannot lead to conclusion on material injury, the Authority notes that the conclusion on injury is not based solely on volume of imports and decline in market share of domestic industry but on the basis of assessment of all injury parameters as mandated under the rules and regulations on the subject.

14.4 Submissions made by interested parties in response the Disclosure statement & Examination thereof by the Authority

Submissions made by the Applicant on behalf of the domestic industry in response to the Disclosure statement

The following submissions have also been made in response to the Disclosure statement:

Return on capital employed – As regards the argument concerning return on capital employed, it has been contended that:

- (a) It is, in fact, the petitioner/domestic industry's grievance that the Authority has granted significantly low return on investment.
- (b) Considering that the investments made in these plants are fairly old, the Authority should in fact, consider gross fixed assets for determination of capital employed and profit. It is important to note in this regard that the current practice of determining capital employed by considering net fixed assets has a major fallacy in as much as capital employed continues to decline over the years with the reduction in net fixed assets. In fact, once the assets have got fully depreciated the current practice implies that the domestic industry should not get any profit on account of investments made in fixed assets. This is highly inappropriate situation.
- (c) The products under consideration are highly specialized products, the production of which is in limited countries & companies globally. Therefore, in any case the domestic industry ought to be adequately protected in order to ensure that such critical products production remains within the Country. More so, when the Chinese producers and the Govt. of China are absolutely clear i.e. to wipe out all other producers of various phosphorus based compounds.

The following submissions, in brief, have been made on behalf of China Haohua Chemical (Group) Corporation, China PR; Sinochem International Corporation, China PR; Sancaitang Chemical Industry & Technology Co. Ltd. HB, China PR; Luohe Huipu Chemistry Industry factory and Xuzhou Jianping Chemical Co., Ltd., China PR:

1. It has been contended that the Volume effect alone cannot be the sole criteria for imposition of Anti Dumping Duty in case of PCL₅.

Examination by the Authority: Annexure II to the AD Rules provides for consideration of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. Further, the AD Rules provide that while examining the volume of dumped imports, the Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in

India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred, to a significant degree.

In the instant case, the investigation has clearly established that the volume of dumped imports has increased in absolute terms and in relation to production & consumption in India in case of PCL₅, as would be apparent from the injury analysis. Besides, the Authority notes that the imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry and the domestic industry has not been able to realize the non-injurious price.

The Authority further notes that the AD Rules require examination and assessment of performance of the domestic industry over the injury period, by considering a number of parameters listed under the AD Rules. While the AD Rules provide for examination and assessment of all the listed parameters, it does not provide that the performance of the domestic industry must deteriorate in terms of each and every parameter. Deterioration in even one or more of economic parameters indicating injury may be sufficient to assess that domestic industry has suffered injury, provided such deterioration in performance is significant enough to outweigh the positive developments in other parameters. It is thus evident that the performance of the domestic industry has suffered within the meaning of provisions enshrined in Annexure-II to the AD Rules.

2. It has been contended that when the range of price undercutting is more than price underselling, it is evident that the Domestic Industry is able to realize the price which is higher than the Non-Injurious Price. In an event if the Domestic Industry is able to realize more than the Non Injurious Price, how an injury can be claimed and attributed to the Domestic Industry.

Examination by the Authority: The Authority notes that the above contention is based on an incorrect appreciation of facts. As already recorded in the preliminary findings, the Authority had considered the price of yellow phosphorus on a monthly basis, in view of significant changes in the price of yellow phosphorus (a major raw-material to manufacture the subject goods) within the period of investigation. Accordingly, the price undercutting and price underselling has been analysed considering the relevant parameters on monthly basis.

The Authority notes that the domestic industry has produced and sold the subject goods throughout the POI, wherein the sales realization by the domestic industry is significantly lower than the non-injurious price during the POI in respect of both PCL₅ and TMP.

3. It has been contended that 22% Return on Capital Employed is contrary to the proposal made by the Government of India before WTO. The Designated

Authority should reassess the NIP by adopting the above-mentioned parameters propagated by the GOI for applying lesser duty rule. Application of 22% return on capital employed is highly arbitrary, unreasonable and not based on facts and past experiences of the applicant Domestic Industry. 22% ROCE has given undue advantage to the applicant Domestic Industry and needs to be revised.

Examination by the Authority: As per the consistent practice of the Authority, a reasonable return on capital employed in determination of NIP has been allowed to provide for recovery of interest, corporate tax and reasonable profit.

Cumulative assessment in case of POCL₃

15. Annexure II (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -
 - (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively account for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 15.1 The applicant has claimed that:
 - i POCL₃ does not have different grades. The product manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by domestic industry has comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
 - ii There are limited parties who use this material. Imported and domestic material is being used interchangeably by same segment of the customers.
 - iii The exporters from the subject countries and the domestic industry have sold the same product in the same periods to the same segment of customers.
 - iv Market share of imports from each of the subject countries is more than *de-minimis*.
 - v Domestic producer and exporters from the subject countries sell the like product to the same category of customers and both are competing in the same market. Both are being used by the consumers interchangeably.

- 15.2 However, the Authority notes that the margin of dumping in respect of imports of POCL_3 from European Union is de-minimis and the investigations are terminated against European Union. Consequently, cumulative assessment of injury to the domestic industry is not called for. Therefore, the Authority has analyzed injury to the domestic industry in respect of China PR only.
- 15.3 Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 15.4 As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

- 15.5 The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties as under.

Import Volume

- 15.6 The applicant has provided the following imports data based on IBIS data.

S.N.	Product	POI (Oct07 to Dec08)
		Volume (MT)
1.	PCL₅	1722.00
2.	POCL₃ (China PR)	900.00
3.	TMP	368.00

15.7.1 However, as per the responses received from the responding exporters, the actual exports of the subject goods by them to India are as follows.

S.N.	Product	Volume of subject goods imported
		MT
1.	PCL ₅	1899.00
2.	POCL ₃	960.00
3.	TMP	352.00

15.7.2 Therefore, for analysis of volume of the imports of the subject goods, the data available on record has been collated and considered, which is as follows:

Imports in MT	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Oct'07 – Dec'08)	POI (Annualized)
PCL ₅	32	0.42	123	1899	1519
POCL ₃ (China PR)	0	0	0	960	768
TMP	32	32	0	368	294

15.7.3 Thus, the information available on record regarding the import of the subject goods shows that:

15.7.4 In PCL₅, POCL₃, and TMP, there have been significant imports during the period of investigation. It is seen that imports of PCL₅ and TMP increased in absolute terms over the injury period. In case of POCL₃, the imports commenced during the period of investigation itself; but the volume was quite significant.

15.7.5 It is observed that there were no imports of the TMP from any other country except China PR. Whereas POCL₃ is also being imported from EU (Germany and Netherlands) above the *de-minimis* limits. It has been contended by the Applicant that imports of POCL₃ and PCL₅ from Hong Kong are transshipments from China PR as there is no manufacturing facility in Hong Kong for the subject goods. Imports of PCL₅ from other sources are below the *de-minimis* level.

Demand and Market Share

PCL₅

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (Annualized)
Total Chinese Imports in MT	0	0	123	1899	1,519
Other Imports	32	0.42	0	144	115

Sales – domestic industry in MT (including captive)	1,166	928	834	691	553
Sales – Other Producers in MT	982	875	706	482	386
Total Demand in MT	2,180	1,803.42	1,663	3,216	2,573
Market Share in Demand in %					
	53.48				
Domestic industry		51.48	50.15	21.48	21.48
Other Indian Producers	45.06	48.50	42.45	14.99	14.99
China PR	-	-	7.40	59.05	59.05
				4.48	
Other Countries	1.48	0.02	-		4.48

POCL₃

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (Annualized)
Total Chinese Imports in MT	0	0	0	960	768
Total EU Imports in MT	0	0	0	395	316
Other Imports	0	0	0	136	108
Sales – domestic industry in MT (including captive)	2,176	2,817	3,197	3,622	2,898
Sales – Other Producers in MT	2,160	1,324	1,106	486	389
Total Demand in MT	4,336	4,141	4,303	5,599	4,479

Market Share in Demand in %					
Domestic industry	50.19	68.02	74.29	64.70	64.70
Other Indian Producers	49.81	31.98	25.71	8.68	8.68
China PR	-	-	-	17.15	17.15
EU	-	-	-	7.05	7.05
Other Countries	-	-	-	2.42	2.42

TMP

Demand	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	POI (Annualized)
Total Chinese Imports in MT	32	32	0	368	294
Other Imports	0	0	0	0	0
Sales – domestic industry in MT (including captive)	2,842	4,153	4,467	5,284	4,227
Sales – Other Producers in MT	739	910	993	0	0
Total Demand in MT	3,613	5,095	5,460	5,652	4,521
Market Share in Demand in %					
Domestic industry	78.66	81.52	81.81	93.49	93.49
Other Indian Producers	20.45	17.85	18.19	-	-
China PR	0.89	0.63	-	6.51	6.51
Other Countries	-	-	-	-	-

- 15.8 It is seen that in case of PCL₅, the Chinese product acquired a significant share as compared to the preceding year. In case of POCL₃, the imports from the subject countries acquired a significant market share during the period of investigation. In case of TMP, the imports of the Chinese product showed a significant increase in market share.

Demand

- 15.9 Demand or apparent consumption of the products under consideration in the Country has been assessed as the sum of domestic sales (including captive consumption) of the domestic producers and imports from all sources as available on record. It is noted that demand of PCL₅ and POCL₃ has shown increase in the POI as compared to the previous years. As regards TMP, while the demand has increased in the POI as compared to the base year but it has decreased as compared to the years other than the base year.

Price effect of imports

- 15.10 With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like articles in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

- 15.10.1 The Authority notes that there was significant increase in the input cost to manufacture the subject goods over the injury period, leading to increase in the prices within the Period of investigation.

Domestic Sales	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	Oct'07 – Dec'08 (annualized)
PCL ₅						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	90	117	162	162
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	97	111	177	177
POCL ₃						
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	107	98	182	182
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	89	90	221	221
TMP						

Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	79	107	157	157
Domestic Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trend	Index	100	96	99	130	130

15.10.2 It is seen from the above table that on year to year basis, the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales in the case of PCL₅ and POCL₃. However, in the case of TMP, the cost of sales has increased by 57% in POI when compared to base year and domestic selling price has gone up by 30% during the same period.

15.10.3 The Authority has further compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry on month-to-month basis because of wide fluctuations in the input prices during the period of investigation. The weighted average price undercutting has been accordingly determined after considering associated import volumes. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting, except in case of POCL₃ from EU as may be seen from the following table:

Country	Product	Based on data	Price undercutting (Rs/Kg)	Price undercutting as %
China PR	PCL ₅	Respondent	***	40-50%
China PR	POCL ₃	Respondent	***	60-70 %
China PR	TMP	IBIS	***	30-40 %
European Union	POCL ₃	IBIS	***	Negative

Sales volumes

15.11 The information provided by the domestic industry with regard to its domestic sales is shown as under:

Domestic (Merchant) Sales	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct'07 – Dec'08	Oct'07 – Dec'08 (annualized)
PCL ₅	MT	1,148	928	788	664	531
Trend	Index	100	81	69	46	46
POCL ₃	MT	1,577	2,413	2,631	3,622	2898
Trend	Index	100	153	167	184	184
TMP	MT	1,070	906	752	601	481

Trend	Index	100	85	70	45	45
Captive						
PCL ₅	MT	18	-	46	27	21
POCL ₃	MT	599	404	566	0	0
TMP	MT	1,772	3,247	3,715	4,683	3,746
Total						
(Merchant + Captive)						
PCL ₅	MT	1,166	928	834	691	553
POCL ₃	MT	2,176	2,817	3,197	3,622	2,898
TMP	MT	2,842	4,153	4,467	5,284	4,227

15.11.1 It is seen from the above that in case of POCL₃, the domestic sales have increased over the injury period. However, the domestic sales of PCL₅ have significantly declined over the injury period. As regards TMP, the sales volume increased till 2007-08 as compared to the base year, but declined during the POI.

Capacity

15.12 The capacities of the domestic industry for the products under consideration are as under:

Capacity	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Oct07 to Dec08)	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL ₅	1800	1800	1800	2250	1800
POCL ₃	1440	1440	1440	1800	1440
TMP	12000	12000	12000	15000	12000

15.12.1 The Authority notes that the domestic industry has separate/dedicated capacity for each of the products under consideration and that there have been no capacity additions over the injury period.

Production and Capacity Utilization

15.13.1 The performance of the domestic industry with regard to its production & capacity utilization is shown as under:

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL₅					
Capacity	1800	1800	1800	2250	1800

Production	1,327	1,155	838	827	662
Capacity utilization	73.72	64.17	46.56	36.76	36.76
POCL₃					
Capacity	1440	1440	1440	1800	1440
Production-Plant1	1,109	1,026	1,370	1433	1,146
Production-Plant2 (By product)	1,231	1,896	1,834	2571	2057
Total-Production	2,340	2,922	3,204	4004	3203
Capacity utilization	77.01	71.25	95.14	79.62	79.62
TMP					
Capacity	12000	12000	12000	15000	12000
Production	10,880	10,320	9,217	12,061	9,649
Capacity utilization	90.67	86.00	76.81	80.41	80.41

15.13.2 It is seen that:

- Production and capacity utilization of PCL₅ have significantly declined over the injury period.
- Production of POCL₃ has increased till 2007-08, but declined marginally thereafter during the POI.
- Production and capacity utilization of TMP declined up to 2007-08 and then increased in the period of investigation. However, the production and capacity utilization has significantly declined as compared to the base year.

Market Share

15.14 The market share of domestic industry declined significantly in respect of PCL₅. In case of TMP, the market share of domestic industry has increased over the injury period. As regards POCL₃, the market share of domestic industry increased till 2007-08 but has declined during the period of investigation thereafter.

Factor affecting prices

15.15 It is observed that the landed price of imports of each of the subject goods are significantly below the selling price of these products by the domestic industry and non-injurious price as determined by the Authority except in the case of imports of POCL₃ from European Union as may be seen from the following table:

Price undercutting

Country	Product	Based on data	Price undercutting (Rs/Kg)	Price undercutting as %
China PR	PCL ₅	Respondent	***	40-50%
China PR	POCL ₃	Respondent	***	60-70 %
China PR	TMP	IBIS	***	30-40 %
European Union	POCL ₃	IBIS	***	Negative

Price underselling

Country	Product	Based on data	Price underselling (Rs/Kg)	Price underselling as %
China PR	PCL ₅	Respondent	***	15-25 %
China PR	POCL ₃	Respondent	***	10-20 %
China PR	TMP	IBIS	***	10-20 %
European Union	POCL ₃	IBIS	***	Negative

Profit/Loss, Cash Flow and Return on Investment.

15.16.1 The performance of the domestic industry with regard to profits, return on capital employed and cash flows is shown as under:

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL₅					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-35	-110	-32	-32
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-18	-91	8	8
Return on investment (%)	***	***	***	***	***

Indexed Trend	-100	2	-65	31	31
---------------	------	---	-----	----	----

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
POCL₃					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-192	-169	-124	-124
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-192	-169	-123	-123
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	-100	-170	-57	-15	-15

	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
TMP					
Profit before tax (Rs./KG)	***	***	***	***	***
Profit before tax (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	224	110	57	57
Cash Profits (Rs. in lacs)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	221	113	56	56
Return on investment (%)	***	***	***	***	***
Indexed Trend	100	182	54	25	25

15.16.2 It is seen from the above tables that –

- (a) In case of PCL₅, the domestic industry has been suffering financial losses throughout the injury period. The return on capital employed and cash profits were also negative/low till 2007-08 and became positive during the period of investigation.
- (b) In case of POCL₃, the domestic industry has been suffering financial losses, which increased in 2006-07 but reduced thereafter. Consequently, return on capital employed and cash profits were also negative earlier but improved after 2006-07. However, profits on domestic sales, cash profits and Return on capital employed remained negative in respect of POCL₃ over the injury period;
- (c) In case of TMP, the domestic industry was profitable over the injury period. However, the profits that increased in 2006-07 deteriorated thereafter. During the POI, the profits were below the base year level. Return on capital employed and cash profits have followed the same trend as that of profits.

Inventories

Average Inventories	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct07 to Dec08	Oct07 to Dec08 (annualized)
PCL ₅	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
		100	906	1022	224	224
	Indexed Trend					
POCL ₃	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
		100	81	76	56	56
	Indexed Trend					
TMP	MT	***	***	***	***	***
	No. of days inventory	***	***	***	***	***
		100	26	61	92	92
	Indexed Trend					

- 15.17 The information about the inventory levels of different compounds is contained in the above table. It is seen that the inventory levels for POCL₃ and TMP have declined as compared to the base year, whereas it has increased in case of PCL₅.

Employment, wages and productivity

- 15.18 Since the domestic industry is a multi-product and multi-location company; employment & wages and consequently productivity apparently does not reflect the adverse impact of dumping.

Ability to raise capital investment

- 15.19 Since the domestic industry is a multi-product and multi-location company; ability to raise capital investment apparently does not reflect the adverse impact of dumping.

Growth

- 15.20 It is observed that in case of PCL₅, growth in production, domestic sales volumes, market share, and capacity utilization is negative, whereas the same is positive in respect of profits, return on investment and cash profits. In case of TMP, growth in production, domestic sales volumes, capacity utilization, profits, return on investment and cash profits is negative. In case of POCL₃, growth is positive in various injury parameters.

Magnitude of Dumping Margin:

- 15.21 It is observed that dumping margins in respect of the subject goods are significantly positive except in the case of POCL₃ imported from European Union.

Conclusion on material injury

PCL₅

16. The Authority notes that performance of the domestic industry has deteriorated during the period of investigation in terms of domestic sales, production and capacity utilization. The imports of PCL₅ started from China PR in 2007-08 with a market share of 7.40% that increased significantly to 59.05 % in the period of investigation. While the market share of China PR increased but that of the domestic industry decreased significantly from 53.48 % in 2005-06 to 50.15% in 2007-08 and 21.48 % in the period of investigation. Hence, the volume effect has been adverse in the case of PCL₅.
- 16.1 As regards price effect, the Authority notes that the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales, thus no price depression is seen. But the Authority notes that the imports of the PCL₅ are significantly undercutting the prices of the domestic industry. While the profitability in respect of PCL₅ improved over the injury period but the selling price of domestic industry

remained lower than the non-injurious price. Thus, not only imports of PCL₅ are undercutting the prices of the domestic industry but causing underselling as well.

- 16.2 It is seen that the domestic industry had been suffering losses during the injury period. However, in view of the low volume of imports in the injury period before the POI, it cannot be stated that these losses before the POI were only on account of imports. But it is also seen that there are significant imports during the POI at dumped prices leading to significant loss of the market share vis a vis the imports.

POCL₃

17. The imports of POCL₃ from the subject countries commenced in the period of investigation and acquired a significant market share during the period of investigation. The market share of domestic industry declined during POI as compared to immediate preceding year; however, it remained higher than that of the base year. The production of POCL₃ increased till 2007-08, but declined marginally thereafter during the POI. Hence no adverse volume effect is seen over the injury period.
- 17.1 As regards price effect, the Authority notes that the domestic industry was able to increase the domestic selling prices more than the increase in the cost of sales, thus no price depression is seen. The landed price of imports is also significantly below the selling prices of the domestic industry. However, the volume of imports commenced in the period of investigation only and it is seen that the domestic industry was suffering financial losses since 2005-06, which increased in 2006-07, even when there were no imports before the POI. Apparently, the adverse performance of the domestic industry existed even without imports. It has not been demonstrated that this adverse performance could be attributed to imports of the subject goods. Besides, a negative dumping margin is seen as regards imports of the subject goods from European Union.

TMP

18. In case of TMP, the imports from China PR showed a significant increase in its market share during the POI. However, at the same time, the market share of the domestic industry has also gone up. The production has increased as compared to immediate preceding year; however, it declined when compared to 2005-06 & 2006-07. The domestic sales have gone up during the injury period except a marginal decline during the POI. Thus, adverse volume effect is not apparent in respect of TMP.
- 18.1 The domestic industry was making profits during the injury period but the same has significantly declined during the POI as compared to the base year. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. It is also seen that the selling price have not increased in line with increase in the cost of sales, thereby causing significant price suppression. Besides, the imports of TMP are significantly undercutting the prices of the

domestic industry. Thus, the price effect of the dumped imports of TMP from China PR on the domestic industry has been adverse.

- 18.2 In the preliminary findings dated 18th August 2009 in the instant matter, the Authority had, *inter alia*, observed a negative injury margin as regards imports of TMP from China PR. However, the said injury margin was based on calculations considering the applicable Customs duty @ 10%. However, it was subsequently learnt that this Customs duty was reduced to 7.5% thereafter vide Customs Notification No.20 dated 1st March 2007. Hence, the Authority has revised the injury margin calculations.

CONCLUSIONS

19. As per the material available on record, the Authority holds that various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury in case of imports of PCL₅ and TMP.

G. CAUSAL LINK

It has been contended by some interested parties that there is absence of causal link between dumped imports and injury to the domestic industry.

The Authority has examined the casual link issues as follows:

20. The Authority notes that it has not been demonstrated that the adverse performance of the domestic industry in case of POCL₃ could be attributed to imports of the subject goods. It was further examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry in case of PCL₅ and TMP, where it has been observed that material injury has been caused to the domestic industry. It was found as follows:
- a) Imports from Third Countries: - In case of imports of PCL₅ reported from Hong Kong, the applicant has claimed that these are transshipments of Chinese material only. And that there is no production facility for these products in Hong Kong. This claim of the applicant has not been disputed by any interested party. While the subject goods are being imported from other countries, but these imports are below the de-minimis level. As regards TMP, it is observed that there were no imports of TMP from any other country except from China PR.
 - b) Contraction in Demand: - It is noted that the demand of PCL₅ has increased as compared to the base year. As regards TMP, while the demand has increased as compared to the base year but it has decreased as compared to the years other than the base year. It is further noted that the market share of the domestic industry improved despite the reduced demand.

- c) Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption of each of the products has been observed.
- d) Conditions of competition: - The applicant has claimed that conditions of competition or trade restrictive practices are not responsible for the claimed injury to the domestic industry for each of the products. None of the interested parties has disputed this claim.
- e) Developments in technology: - The applicant has claimed that there is no significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry for each of the products. None of the interested parties has disputed this claim.
- f) Export performance of the domestic industry: - The domestic industry has significant export activities. However, the entire information has been provided in respect of domestic operations for each of the products.
- g) Productivity: - The domestic industry has claimed that changes in productivity of each of the products are a result of dumping of the products under consideration. None of the interested parties has disputed this claim.

20.1 As per the material available on record, the Authority is of the view that various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury on account of dumped imports of the subject goods from China PR in case of PCL₅ and TMP.

H. Form of Duty

21. It has been contended by some interested parties that it is not appropriate to impose the fixed duty on PCL₅ and TMP considering that the price of yellow phosphorus which is the raw material of PCL₅ and TMP fluctuated significantly during the POI. It has been further contended that in a case where the cost and price varies significantly, it would be appropriate to impose Anti Dumping Duty in ad-valorem form and not in fixed form as Ad-valorem form of Anti Dumping Duty will take care of variations due to cost, prices and period and will be high for a high priced product and low for a low priced product.

Examination by the Authority

21.1 The Authority has duly considered the submissions of the interested parties suggesting imposition of the Anti Dumping Duty in ad-valorem form as against the fixed duty on PCL₅ and TMP. The Authority notes that the prices of the products under consideration fluctuated during the period of investigation with the changes in input prices; however, the subject goods, by and large, are homogenous products with little or no variation in grades/types. Even the Chinese respondents have stated in their submissions that there is no variation between the products sold in the country of export and the products under consideration exported to India. Besides, imposition of anti-dumping duty on ad-valorem

basis would result in charging higher quantum of anti-dumping duty with the possible increase in the subject goods prices and vice versa, which may not be desirable.

I. Indian industry's interest & other issues

22. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

22.1 It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

23. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Act and the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury and threat thereof to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset dumping and injury in the instant matter. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of PCL₅ and TMP from China PR in the form and manner described hereunder.

23.1 Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed on all imports of PCL₅ and TMP originating in or exported from China PR.

Sl. No	Heading / Subheading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28121022	Phosphorus Pentachloride (PCL ₅)	China PR	China PR	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation	0.467	Per KG	US\$
2.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Xuzhou Jianping Chemical Co. Ltd.	M/s Sinochem International Corporation	0.574	Per KG	US\$
3.	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination of producer & exporter except at Sr. No. 1 & 2		0.777	Per KG	US\$
4.	-do-	-do-	China PR	Any	Any	Any	0.777	Per KG	US\$
5.	-do-	-do-	Any	China PR	Any	Any	0.777	Per KG	US\$
6.	29209041	Trimethyl Phosphite (TMP)	China PR	China PR	M/s Luohe Huipu Chemistry Industry Factory	M/s Sinochem International Corporation	0.008	Per KG	US\$
7.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Sancaitang Chemical Industry and Technology Co. Ltd. HEB	M/s China Haohua Chemical (Group) Corporation	0.119	Per KG	US\$
8.	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination of producer & exporter except at Sr. No. 6 & 7		0.575	Per KG	US\$
9.	-do-	-do-	China PR	Any	Any	Any	0.575	Per KG	US\$
10.	-do-	-do-	Any	China PR	Any	Any	0.575	Per KG	US\$

23.2 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of Customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

23.3 Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 18th August 2009. However duty recommended in para 8 above would be applicable from the date of imposition of provisional anti dumping duty as per Section 9A (2) of the Custom Tariff Act 1975.

23.4 An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority